राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 22 मई 2022 वर्ष-5,अंक-116 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेट्रोल 9.50 रुपए, डीजल 7 रुपए सस्ता

एलपीजी सिलेंडर पर मिलेगी 200 रुपए सब्सिडी, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

(एजेंसी)

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी पर कटौती का ऐलान किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जानकारी देते हुए कहा, ''हम पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर की कमी कर रहे हैं। इससे पेट्रोल की कीमत 9.5 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 7 रुपये प्रति लीटर कम हो जाएगी। इसका सरकार के लिए लगभग ₹ 1 लाख करोड़ प्रतिवर्ष का राजस्व निहितार्थ होगा।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 200 रुपये सब्सिडी

वित्त मंत्री सीतारमण ने बताय कि, सरकार ने घरों में खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले एलपीजी सिलिंडर पर भी 200 रुपये प्रति सिलिंडर की सब्सिडी देने की घोषणा की। उज्ज्वला योजना के 9 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को एक साल में 12 गैस सिलिंडरों पर यह सब्सिडी दी जाएगी। इससे सालाना लगभग ₹6100 करोड़ का राजस्व प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि इससे हमारी माताओं और बहनों को मदद मिलेगी।

गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित है मोदी सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, %गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित। हमने गरीबों और मध्यम वर्ग की मदद के लिए कई कदम उठाए हैं। नतीजतन, हमारे कार्यकाल के दौरान औसत मुद्रास्फीति पिछली सरकारों की तुलना में कम रही है। मंत्री ने बताया कि, इसी प्रकार हम लौह और इस्पात के लिए कच्चे माल और बिचौलियों पर उनकी कीमतों को कम करने के लिए सीमा शुल्क को कम कर रहे हैं। स्टील के कुछ कच्चे माल पर आयात शुल्क कम किया जाएगा। कुछ स्टील उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाया जाएगा। सीमेंट की उपलब्धता में सुधार के लिए और सीमेंट की लागत को कम करने के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स के माध्यम से उपाय किए जा रहे हैं।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 31वीं पुण्यतिथि, सोनिया और प्रियंका ने दी श्रद्धांजलि

देश पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 31वीं पुण्यतिथि मना रहा है. इस मौके पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने उनके समाधि-स्थल 'वीर भूमि' पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. बता दें कि राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था. उनकी शादी 1968 में सोनिया गांधी से हुई थी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उनकी संतान हैं.

नई दिल्ली: देश पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 31वीं पुण्यतिथि मना रहा है. इस मौके पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने उनके समाधि-स्थल 'वीर भूमि' पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. बता दें कि राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था. उनकी शादी 1968 में सोनिया गांधी से हुई थी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उनकी संतान हैं.

ज्ञात हो कि राजीव गांधी की श्रीपेरांबदूर में 21 मई 1991 को एक बम विस्फोट में मौत हो गई थी। एक आत्मघाती बम धमाके में भारत रत्न राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी. उनके जन्म के 3 साल बाद देश आजाद हुआ था. बड़े होने के बाद राजीव गांधी ने जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की राजनीतिक विरासत को संभाला.

काफी जिम्मेदारियां आ गई

उनका बचपन, शिक्षा, राजनीतिक जीवन और लव लाइफ सब को ही बहुत दिलचस्प किस्से कहानियों से परिपूर्ण है. देश के एक बड़े राजनीतिक और दमदार परिवार में जन्म के साथ ही राजीव पर काफी जिम्मेदारियां आ गई थीं.

एयर इंडिया से करियर की शुरुआत राजीव गांधी ने इंजीनियरिंग करने के लिए कॉलेज में दाखिला लिया लेकिन उन्हें किताबी ज्ञान तक सीमित रहना रास नहीं आया. लंदन में मन ना लगने पर वे भारत लौट गए और ह्री के फ्लाइंग क्लब में पायलट की ट्रेनिंग ली. साल 1970 में राजीव गांधी ने एयर इंडिया के साथ अपने करियर की शुरुआत की.

ज्ञात हो कि राजीव गांधी की श्रीपेरांबदूर में 21 मई 1991 को एक बम विस्फोट में मौत हो गई थी। एक आत्मघाती बम धमाके में भारत रत्न राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी

नाम कई बड़े घोटालों में आया

1980 में राजीनि में कदम रखा तो उन्हें मिस्टर क्लीन माना जाता था. शुरुआत से विदेश में पढ़ाई करने वाला एक नौजवान महज 40 साल की उम्र में राष्ट्रीय राजनीति की ऊंचाइयों तक पहुंच गया। हालांकि राजनीति में आने के बाद उनका नाम कई बड़े घोटालों में आया.

शिवलिंग या फव्वार, कौन तय करेगा? सिर्फ ASI एक्सपर्ट ही ज्ञानवापी पर चला सकते हैं सार्थक बहस

नई दिल्ली। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों का कहना है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या निकाय द्वारा समर्थित विशेषज्ञों की एक प्रशिक्षित टीम ही ज्ञानवापी बहस को वैज्ञानिक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। इनमें से कुछ का सुझाव है कि एएसआई को राजनीतिक मुद्दों को बनाए रखने के लिए इससे से बाहर रहना चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्ञानवापी मस्जिद एएसआई-सूचीबद्ध स्मारक नहीं है। एएसआई अधिकारियों के अनुसार, निकाय केवल अदालत के आदेश पर अध्ययन या उत्खनन कर सकता है।

एएसआई के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक आरएस बिष्ट ने इकोनॉमिक्स टाइम्स को बताया कि निकाय के लिए अपनी तटस्थ स्थिति की रक्षा के लिए राजनीतिक मुद्दों से बाहर रहना महत्वपूर्ण था। निकाय के पास एक या दूसरे पक्ष का पक्ष लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। यह महत्वपूर्ण है कि दोनों समुदायों का विश्वास तटस्थ रहे। उन्होंने कहा, मैं निदेशक (प्रभारी) था जब टीम अयोध्या में खुदाई के लिए गई थी और तब भी हमने अदालत में विरोध किया था कि एएसआई को इससे बाहर रखा जाए, लेकिन अदालत ने ऐसा नहीं किया। फील्ड पुरातत्वविद् बीआर मणि की एएसआई टीम ने अयोध्या में राम जन्मभूमि स्थल पर महत्वपूर्ण विवरण की खुदाई की थी। उन्होंने इस मामले पर कहा कि केवल एएसआई, राज्य विभाग या बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पुरातत्वविदों की एक टीम को ज्ञानवापी साइट का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह शिवलिंग है या फव्वारा, यह केवल कठोर आलोचकों और पुरातत्वविदों द्वारा ही पता लगाया जा सकता है जो भारतीय कला और कला इतिहास को समझते हैं। एएसआई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक केके मोहम्मद ने कहा कि अदालत द्वारा अनिवार्य एएसआई उत्खनन की कानूनी वैधता थी।

कांग्रेस छोड़ने को लेकर जिग्नेश मेवानी ने हार्दिक पटेल पर साधा निशाना, कही यह बात

अहमदाबादः गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी ने पाटीदार समुदाय के नेता हार्दिक पटेल द्वारा कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ''आपत्तिजनक'' टिप्पणी करने और 'अपमानजनक' तरीके से पार्टी को छोड़ने को लेकर उन पर निशाना साधा है। मेवानी ने कहा कि हार्दिक पटेल की सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक सीधी पहुंच थी। मेवानी 2017 में बनासकांठा जिले के वडगाम से कांग्रेस के समर्थन से जीतकर निर्दलीय विधायक बने थे। मेवानी ने अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। हालांकि, वह आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल नहीं हुए हैं। मेवानी ने हार्दिक पर निशाना साधते हुए कहा, ''अगर आपको

कांग्रेस से दिक्कत होती तो आप सम्मानजनक तरीके से पार्टी छोड़ सकते थे। लेकिन, आपने भारतीय जनता पार्टी की भाषा को इस तरह चुना जैसे कि आपका इस्तीफा पत्र भाजपा कार्यालय से बनकर आया हो। मेवानी ने कहा, ''आपकी टिप्पणी अमर्यादित थी। चर्चा में 'चिकन सैंडविच लाने की क्या आवश्यकता थी, क्या यह चर्चा का विषय है? हार्दिक पटेल ने इस्तीफा देते समय अपने पत्र में कहा था कि कांग्रेस के शीर्ष नेता अपने मोबाइल फोन में व्यस्त रहते थे और गुजरात में पार्टी के पदाधिकारी उनके लिए 'चिकन सैंडविच' की व्यवस्था करने में अधिक रुचि रखते थे।

देश पर मंडराने लगा मंकीपॉक्स का खतरा, केंद्र ने एयरपोर्ट और बंदरगाहों को लेकर जारी किया अलर्ट

नई दिल्लीः कोविड से जूझ रही दुनिया में एक दुर्लभ संक्रमण के उभरने से वैज्ञानिक चिंतित हैं जिसका नाम मंकीपॉक्स है। हालांकि भारत में अभी तक इससे संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन ब्रिटेन, इटली, पुर्तगाल, स्पेन, स्वीडन और अमेरिका में लोग इससे संक्रमित पाए गए हैं। कुल मिलाकर, मंकीपॉक्स के 100 से अधिक संदिग्ध और पुष्ट मामले सामने आए हैं।

वहीं मंकीपॉक्स को लेकर भारत सरकार ने शनिवार को सभी अंतराष्ट्रीय एंट्री प्वाइंट जैसे एयरपोर्ट, बंदरगाहों पर निगरानी शुरू कर दी है। दक्षिण अफ्रीका की यात्रा कर भारत पहुंचने वाले यात्रियों की सैंपल को जांच के लिए पुणे में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे जाएंगे।

समाचार एजेंसी एएनआई ने एक अधिकारी के हवाले से लिखा, सैंपल (एनआईवी, पुणे को) केवल ऐसे मामलों में

भेजें जहां लोगों में कुछ खास लक्षण दिखें। बीमार यात्रियों के नमूने नहीं भेजे जाएंगे। इनपुट्स के अनुसार, केंद्र ने नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) को यूरोप और अन्य जगहों पर मिल रहे मंकीपॉक्स के मामलों पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा है।

मंकीपॉक्स क्या है?

मंकीपॉक्स मानव चेचक के समान एक दुर्लभ वायरल संक्रमण है। यह पहली बार 1958 में शोध के लिए रखे गए बंदरों में पाया गया था। मंकीपॉक्स से संक्रमण का पहला मामला 1970 में दर्ज किया गया था। यह रोग मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होता है और कभी-कभी अन्य क्षेत्रों में पहुंच जाता है। हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में संक्रामक रोगों पर सलाहकार डॉ. मोनालिसा साहू ने कहा, %%मंकीपॉक्स एक दुर्लभ जूनोटिक बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के संक्रमण के कारण होती है। मंकीपॉक्स वायरस पॉक्सविरिडे परिवार से संबंधित है, जिसमें चेचक और चेचक की बीमारी पैदा करने वाले वायरस भी शामिल हैं।

अंतर-राज्य परिषद की स्थायी समिति का होगा पुनर्गठन

अमित शाह की अध्यक्षता में 13 सदस्यों को मिली जगह

नई दिल्ली। मोदी सरकार अंतर-राज्य परिषद की स्थायी समिति का पुनर्गठन करने जा रही है। केंद्र सरकार ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 13 सदस्यों वाली अंतर-राज्य परिषद की स्थायी समिति की एक नई रचना की घोषणा की है।

बता दें कि परिषद के विचारार्थ मामलों पर लगातार परामर्श करने और कार्रवाई करने के लिए अंतर-राज्यीय परिषद की स्थाई समिति का गठन किया गया है। इससे पहले

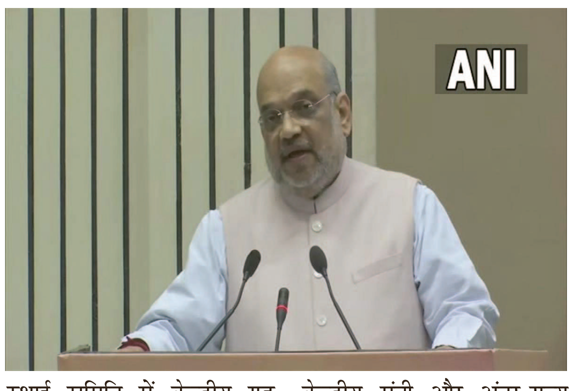

स्थाई समिति में केन्द्रीय गृह मंत्री ही अध्यक्ष थे और सदस्यों के रूप में कैबिनेट के 5 केन्द्रीय मंत्री और अंतर-राज्य परिषद के अध्यक्ष द्वारा नामित 9 राज्यों के मुख्यमंत्री थे।

कॉन्ट्रैक्ट पर कार्यरत महिला टीचर को भी मातृत्व अवकाश पाने का हक, डीएसटी ने रद्द किया निजी स्कूल का आदेश

नई दिल्ली। मातृत्व अवकाश लेने पर निजी स्कूल अनुबंध पर काम करने वाली शिक्षिका को नौकरी से नहीं निकाल सकते। दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (डीएसटी) ने एक मामले में यह फैसला दिया है। न्यायाधिकरण ने मातृत्व अवकाश पर जाने की वजह से अनुबंध पर कार्य करने वाली शिक्षिका को नौकरी से निकाले जाने के एक निजी स्कूल के आदेश को रद्द करते हुए यह फैसला दिया है। न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी दिलबाग सिंह पूनिया ने स्कूल प्रबंधन को शिक्षिका को सभी लाभ के साथ दोबारा से बहाल करने का भी आदेश दिया है। न्यायाधिकरण ने आकांक्षा सिंह की ओर से अधिवक्ता अनुज अग्रवाल द्वारा दाखिल याचिका का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया है। उन्होंने याचिका में स्कूल प्रबंधन द्वारा मातृत्व अवकाश पर जाने के चलते नौकरी से निकाले जाने के 16 दिसंबर, 2018 के फैसले को चुनौती दी थी। न्यायाधिकरण ने स्कूल प्रबंधन की उन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया

था कि याचिकाकर्ता अनुबंध कर कार्यरत थी और नियुक्ति की शर्तों में मातृत्व अवकाश का जिक्र नहीं था।

न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में कहा है कि मातृत्व अवकाश देने से इनकार करना वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है और स्कूल को ऐसा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। न्यायाधिकरण ने कानूनी प्रावधानों, पूर्व के फैसलों और दिल्ली सरकार की दलीलों को स्वीकार करते हुए यह फैसला दिया है। न्यायाधिकरण ने मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार को चार सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को दोबारा से बहाल करने और सभी लाभ देने का आदेश दिया है।

यह मामला है -नौकरी से निकाले जाने को न्यायाधिकरण में चुनौती देते हुए आकांक्षा सिंह ने याचिका में कहा कि उन्होंने 1 जुलाई 2013 को मॉडर्न स्कूल वसंत विहार में प्राइमरी टीचर के रूप में सेवा शुरू की। उनकी नियुक्ति की अवधि बढ़ाने के लिए कई बार स्कूल प्रबंधन की ओर से पत्र जारी किया गया था। सिंह की ओर से वकील अनुज अग्रवाल ने याचिका में कहा कि उनकी मुवक्किल 15 नवंबर, 2018 से 15 दिसंबर, 2018 तक मातृत्व अवकाश पर रहीं और जब अगले दिन स्कूल गईं तो उन्हें मौखिक तौर पर नौकरी से निकाले जाने की सूचना दी गई। अग्रवाल ने याचिका में इसे कानूनी प्रावधानों और दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम के प्रावधानों का हनन बताते हुए स्कूल के आदेश को रद्द करने और अपने मुवक्किल को दोबारा से बहाल करने का आदेश देने की मांग की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए। - रामायण

संपादकीय

हिमालय जैसे रिश्ते

कुछ समय पहले तक भारत-नेपाल के रिश्तों में जो बर्फ जमी थी प्रधानमंत्री के हालिया दौरे से वह पिघलती नजर आई। नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर बुद्ध जयंती के मौके पर लुंबिनी गये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी कि भारत व नेपाल के रिश्ते हिमालय जैसे प्राचीन व अटूट हैं। दोनों देशों के बीच शिक्षा, संस्कृति व विद्युत परियोजना को लेकर हुए छह समझौते इस बात की गवाही देते हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नेपाल को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटे बीजिंग के प्रभाव को कैसे कम किया जाए। भारत व नेपाल में रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है। हमारे सदियों पुराने सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संबंधों का विकल्प चीन कदापि नहीं बन सकता। लंबी राजनीतिक अस्थिरता के बाद प्रधानमंत्री बने देउबा के कार्यकाल में रिश्तों में आई गर्मजोशी रिश्तों की प्राचीनता का अहसास कराती है। बहरहाल, चीन के साम्राज्यवादी मंसूबों से छोटे देशों की अस्मिता को उत्पन्न खतरे को अब नेपाल भी महसूस करने लगा है। उसे अहसास हो चुका है कि भारत-नेपाल के रिश्ते महज कारोबारी नहीं हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बौद्ध कल्चर एंड हेरिटेज की आधारशिला इसका जीता-जागता प्रमाण है, जिससे दुनिया भर के बौद्ध पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकेगा। निस्संदेह वर्ष 2016 के बाद चीन ने नेपाल में भारी निवेश किया है और आज बड़े विकास प्रोजेक्टों में उसकी भूमिका है। जिस दिन प्रधानमंत्री नेपाल की यात्रा पर थे उसी दिन लुंबिनी से कुछ ही दूर 76 मिलियन डॉलर से चीनी कंपनी द्वारा बनाये गये अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया। इस हवाई अड्डे का उपयोग न करके, हेलीकॉप्टर से नेपाल जाकर प्रधानमंत्री ने चीन को संदेश भी दिया। बहरहाल, चीन के सुर में भारत विरोध करने वाले नेपाली शासकों के दौर को अब बीते दिनों की बात मान लेना चाहिए। रिश्तों में हालिया गर्मजोशी उसकी बानगी है। दरअसल, चीन की साम्राज्यवादी नीतियों व महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड परियोजना का भान नेपाल को होने लगा है। श्रीलंका समेत कई देशों की संप्रभुता जिस तरह खतरे में पड़ी है, उसने नेपाली हुकमरानों को सचेत किया है। निस्संदेह, भारत व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे के विकास, कला व संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग करके नेपाल को ड्रैगन के दबदबे से राहत दिला सकता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री की दूसरी पारी की पहली नेपाल यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कह सकते हैं कि दोनों देशों के संबंधों में यह नये दौर की शुरुआत है। बीते वर्षों में जिस तरह से भारत के खिलाफ कम्युनिस्ट पार्टी के नेता विष वमन कर रहे थे, वह हमारे लिये कष्टकारी ही था। तब आशंका पैदा हो गई थी कि सदियों पुराना मित्र देश चीन का पिट्ठू बनने जा रहा है। लेकिन भारत ने बीती बातों को नजरअंदाज करके एक नई शुरुआत की है। वैसे नेपाल को भी अब अच्छी तरह अहसास हो गया है कि उसकी अर्थव्यवस्था भारत के सहयोग के बिना नहीं चल सकती। सात दशक पूर्व दोनों देशों के बीच हुई संधि इस बात की पर्याय रही है। जिससे दोनों देश आपसी सहयोग से आगे का रास्ता तय करते रहे हैं। जिसके मूल में धार्मिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक रिश्तों की ताकत भी रही है। जिसे दोनों देशों की बड़ी हिंदू व बौद्ध आबादी और मजबूत बनाती है। कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री की लुंबिनी यात्रा उदार कूटनीति का ही हिस्सा रही है। ऐसे में विश्वास किया जाना चाहिए कि अब चीन नेपाल को भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं कर पायेगा। साथ ही सीमा और अन्य मुद्दों पर जो विवाद हैं उनका निस्तारण बातचीत के जरिये करने के प्रयास होंगे।

राजनीति से परे

(लेखकशिव प्रकाश)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 8 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं । अष्ट पूर्ति के इस वर्ष को भारतीय जनता पार्टी सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण वर्ष के रूप में संपूर्ण देश में मना रही है । सुदूर ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्र में फैले समाज तक मोदी सरकार के संदेश को पहुंचाने के लिए भाजपा के लाखों कार्यकर्ता 15 दिन तक सक्रिय रहेंगे । प्रतिष्ठित नागरिक, किसान, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक समाज तक अनेकों प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से गरीब कल्याण के संदेश को पहुंचाने का यह कार्य संपन्न होगा । देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बड़े प्रकल्पों का दर्शन युवाओं को कराने के लिए विकास तीर्थ यात्राओं का भी आयोजन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के द्वारा गत 8 वर्षों में देश के उत्थान के लिए अनेक अनुकरणीय पहल हुई है । मोदी जी के हृदय की संवेदना, उनकी सक्रियता, विकास के प्रति उनकी विशिष्ट दृष्टि, समस्याओं का सूक्ष्म अध्ययन, उचित समय पर उचित निर्णय आदि अनेक गुण उनको शेष से कुछ अलग एवं विशेष बनाते हैं । राजनीतिक नेता एवं दल का स्वभाव सामान्यत- एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सोचना, येन-केन प्रकारेण चुनाव जीतने तक रहता है। इसी कारण लोकलुभावन वायदे एवं योजनाएं ही राजनीतिक दल बनाते हैं । लेकिन मोदी जी ने 8 वर्षों में अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जिन्हें आगामी दशकों तक समाज स्मरण करेगा। इन्हीं निर्णयों एवं कार्यों के कारण देश मोदी जी की सरकार को ➔वरदान➔ मानता है । कोई भी देश तभी आगे बढ़ सकता है जब वहां के सभी नागरिक दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। अपने भाग्य का निर्णय कुछ नेताओं और दलों को सौपकर आलोचक वृत्ति अपनाने से आज तक कोई भी देश दुनिया में आगे नहीं बढ़ा। इसी सिद्धांत का स्मरण पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम हमको कराते थे। वे कहते थे कि भारत का नागरिक जब विदेश में जाकर वहां के नियमों का पालन कर सकता है, तब वही नागरिक भारत में आकर अपने हाथ का कचरा सड़क पर क्यों फेंकता है । मोदी जी ने स्वच्छता अभियान के माध्यम से संपूर्ण नागरिकों में इस कर्तव्य भाव को जगाया है । आज संपूर्ण देश में इसकी अनुभूति छोटे बच्चे से लेकर वृद्ध तक में की जा सकती है । हम अपने सार्वजनिक स्थलों में इस परिवर्तन को प्रत्यक्ष देख सकते हैं। समाज में घटता लिंगानुपात संपूर्ण समाज के लिए एक विकट समस्या उत्पन्न कर सकता है । यह समस्या किसी एक दल की न होकर संपूर्ण समाज की है, इसका अनुभव करते हुए मोदी जी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के माध्यम से इसका समाधान का मार्ग सुझाया । सेल्फी विथ डॉटर, सुकन्या समृद्धि योजना आदि अनेक योजनाओं का परिणाम है कि लिंगानुपात में गुणात्मक परिवर्तन तो आया ही है, साथ ही साथ कन्या भ्रूण हत्या में कमी, शिक्षा, महिलाओं के प्रति सम्मान, बराबरी का अधिकार, निर्णयों में भागीदारी भी बढ़ी है । समाज में महिलाओं के प्रति देखने की दृष्टि में ही परिवर्तन हुआ है। उदाहरण ही देना हो तो मऊ जनपद (उत्तर प्रदेश) में लिंगानुपात 2014-15 694 से बढ़कर 2019-20 में 951 हुआ। नमामि गंगे योजना से केवल गंगा ही नहीं, संपूर्ण देश की नदियों, जल एवं पर्यावरण के प्रति समाज की दृष्टि में परिवर्तन हुआ है। जल का सीमित उपयोग, जल की एक-एक बूंद का प्रयोग, जलसंधारण आदि सभी के प्रति जागरूकता आयी है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर हमारे देश की जल की समस्या के समाधान में सहायक होंगे। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से की हुई खेती से उत्पन्न अन्न हमको बीमार बना रहा है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए जैविक, प्राकृतिक खेती एवं गौ आधारित कृषि का बढ़ावा हमारे लिए अचूक रामबाण उपाय सिद्ध होगा। अर्थ संकल्प में स्वीकृत अब गंगा के किनारे 5 किलोमीटर का गलियारा प्राकृतिक खेती के लिए होगा एवं 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल जैविक खेती से युक्त होगा । भ्रष्टाचार हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है । मोदी जी का यह संकल्प 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' उनके पारदर्शी, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प का स्मरण कराता है । भ्रष्टाचार रोकने के लिए तकनीक का प्रयोग, ई-बैंकिंग व्यवस्था, डीबीटी स्कीम सहायक बनी है । अब उचित व्यक्ति तक निश्चित धनराशि पहुच रही है । विकास श्रृंखला में आकांक्षी जिलों का विकास उनकी विकास के प्रति एक अलग दृष्टि को प्रकट करता है । चिकित्सा क्षेत्र में आयुर्वेद का विकास एक सराहनीय पहल है । कोरोना के अनुभव ने आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित किया है । आयुर्वेद में बजट का बढ़ाना, आयुर्वेद पर शोध एवं आयुर्वेद पर्यटन के माध्यम से विश्व भर में आयुर्वेद को स्थापित किया जा रहा है । आयुर्वेद के साथ ही साथ योग अब विश्व भर में लोकप्रिय विषय बना है। वैश्विक मांग की पूर्ति के लिए प्रशिक्षित योग सेना तैयार करने का प्रयास हो रहा है । 21 जून योग दिवस अब विश्व भर में स्थापित हुआ है। मास्को से माले तक 19 मिशनों एवं वाणिज्य दूतावासों में योग की शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। देशभर में खादी खरीदने के आग्रह के परिणाम स्वरूप खादी की बिक्री बढ़ी है । खादी के माध्यम से स्वदेशी, कुटीर उद्योग एवं रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में लाभ हुआ है । कांग्रेस केवल खादी के नारे ही लगाती रही, मोदी जी ने पुनः देश में खादी को स्थापित कर दिया । 2014 में 66.81 लाख रुपये की बिक्री हुई , वही 13 नवंबर 2020 एक ही दिन में 111.40 लाख रुपये की बिक्री हुई है । देश में उत्कृष्ट एवं रचनात्मक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए पदम पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा दिए जाते हैं । कुछ दशकों पूर्व पदम पुरस्कार का राजनीतिकरण विवाद का विषय बना था । प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस प्रक्रिया को बदला । अब पुरस्कार के लिए व्यक्ति की पहचान नहीं बल्कि उसके कार्य की पहचान आधार बन गया है । अब किसानों, गांव एवं कस्बों में रहने वाले गुमनाम लोग को पदम पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा हैं। मैला ढोने वाली अलवर राजस्थान की महिला उषा चौहान पदम श्री पाकर अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रही हैं । देश में लाल बत्ती के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर वीआईपी होने की मानसिकता पर ही मोदी जी ने प्रहार किया । उनका मानना है कि जिस नियम एवं अनुशासन के पालन की अपेक्षा सभी देश के नागरिकों से है, वही जनप्रतिनिधि को भी पालन करना चाहिए । जनप्रतिनिधि सेवा भाव से ही विचार करें इसका संदेश भी स्वयं मेट्रो ट्रेन मे यात्रा करके मोदी जी ने दिया है । समाज की कसौटी पर खरा उतरना, सदैव जवाब देह रहना जनप्रतिनिधियों को मोदी जी का सतत संदेश है । परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा है । इस कारण परिवारवाद पर प्रहार करते हुए लोकतंत्र को समृद्ध करने के प्रयास हुए है । नई पीढ़ी को समाविष्ट करने के लिए युवाओं को आगे लाना, न्यू इंडिया के मोदी जी के संकल्प को समृद्ध करता है । मन की बात देशभर में सकारात्मक ऊर्जा संचार का माध्यम बनी है अच्छे व्यक्तियों के कार्यों को आगे लाना, सकारात्मक प्रयोगों की चर्चा, उत्सवों का महत्व, महापुरुषों के प्रति श्रद्धा आदि विषय समाज के सामने मन की बात के माध्यम से आए हैं । युवाओं को प्रेरणा देने वाले अनेक प्रयोगो की चर्चा, मन की बात में हुई है । एक भारत- श्रेष्ठ भारत का भाव जगा है । धारा 370 एवं 35-ए हटाकर देश की एकता को सुदृढ़ करने का ऐतिहासिक कार्य हुआ है । हमारी सनातन संस्कृति का लोक कल्याणकारी स्वरूप विश्व के प्रति हमारा वसुधैव कुटुंबकम का संदेश अपने भाषणों के माध्यम से सदैव विश्व भर में मोदी जी ने दिया है । अपने श्रद्धा स्थानों को पुनः स्थापित करने के अनेक उदाहरण जैसे श्री राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण, बाबा केदारनाथ का सौन्दर्यकरण जगतगुरु आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा की प्रतिष्ठा का माध्यम मोदी जी बने हैं ।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं)

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

(अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई) पर विशेष) (लेखक- योगेश कुमार गोयल)

मनुष्यों की ही भांति जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। अगर विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

आज के कार्टुन

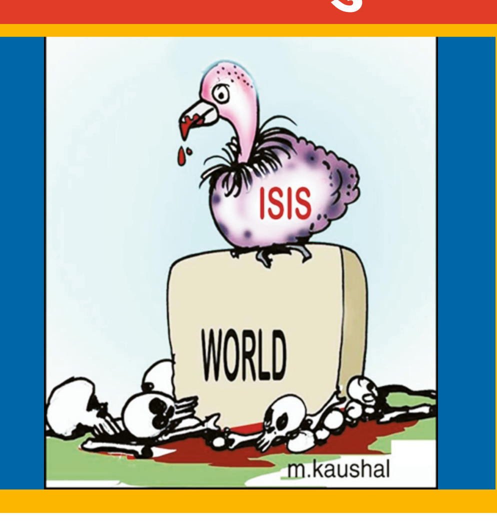

तटस्थता

श्रीराम शर्मा आचार्य

जिस प्रकार आवश्यकता को आविष्कार की जननी कहा जाता है, उसी प्रकार दुःख को सुख का जनक मान लिया जाए तो अनुचित न होगा। जिसके सम्मुख दुःख आते हैं, वही सुख के लिए प्रयत्न करता है। सुख प्रसन्नता का कारण होता है, किंतु इसका अर्थ कदापि नहीं कि आप उसमें इतना प्रसन्न हो जाएं कि आपकी अनुभूतियां प्रसन्नतापरक परिस्थितियों की अभ्यस्त हो जाएं। ऐसा होने से आपकी सहन शक्ति समाप्त हो जाएगी और जरा-सा भी कारण उपस्थित होते ही आप अत्यधिक दुःखी होने लगेंगे। अस्तु दुःख से बचने का उपाय यह भी है कि सुख की दशा में भी बहुत प्रसन्न न हुआ जाए। संतुलन पूर्ण तटस्थ अवस्था का अभ्यास इस दिशा में उपयोगी सिद्ध होगा। जब-जब मनोनुकूल परिस्थितियां प्राप्त हों, सुख का अवसर मिले तब-तब साधारण मनोभाव से उसका स्वागत कीजिए। इस प्रकार प्रसन्नावस्था में जो कार्य किया अथवा सीखा जाता है, वह जल्दी सीखा जा सकता है। दुःख-सुख में समान रूप से तटस्थ रहना इसलिए भी आवश्यक है कि अतिरेकता के समय किसी बात का ठीक निर्णय नहीं किया जा सकता। इस प्रकार बुद्धि भ्रम हो जाने से दुःख के कारणों की कोई कमी नहीं रहती। हर्ष के समय जब हमें किसी की कोई बात अथवा काम गलत होने पर भी ठीक लगेगी तो भ्रमवश किसी समय भी वैसा कर सकते हैं, और तब हमें क्षोभ होगा, जिससे दुखी होना स्वाभाविक ही है। किसी मनुष्य की भावुकता जब अपनी सीमा पार कर जाती है, तो वह भी दुःख का कारण बन जाती है। अत्यधिक भावुक तुनुक मिजाज हो जाता है। एक बार वह सुख में भले ही प्रसन्न न हो किंतु मन के प्रतिकूल परिस्थितियों में अत्यधिक दुःखी हुआ करता है। अत्यधिक भावुक कल्पनाशील भी हुआ करता है। छोटे से आघात को पहाड़ जैसा अनुभव करता है। एक क्षण के दुख के लिए घंटों दुःखी रहता है। जिन बहुत सी घटनाओं को लोग महत्त्वहीन समझ कर दूसरे दिन ही भूल जाया करते हैं, भावुक व्यक्ति उन्हें अपने जीवन का अंग बना लेता है, स्वभाव का व्यसन बना लेता है। यहां तक कि एक बार दुःखी व्यक्ति तो अपना दुःख भूल सकता है किंतु भावुक व्यक्ति उसके दुःख को अपना कर महीनों दुःखी होता रहता है। आवश्यक भावुकता तथा संवेदनशीलता ठीक है किंतु इसका सीमा से आगे बढ़ जाना दुःख का कारण बन जाता है।

सू-दोकू नवताल -2122

		6				8		
	1	7		4		5	3	
			3	9	5			
8			2		9			4
		4				1		
5			8		4			7
			1	5	7			
	7	2		6		9	8	
		5				6		

सू-दोकू -2121 का हल

8	3	1	9	5	4	2	6	7
2	5	9	6	3	7	8	1	4
4	6	7	2	1	8	3	5	9
3	1	6	5	4	2	9	7	8
9	4	5	8	7	1	6	2	3
7	2	8	3	9	6	1	4	5
5	7	2	1	8	9	4	3	6
1	8	3	4	6	5	7	9	2
6	9	4	7	2	3	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2122

1		2	■	3		■	4	5	6
	■		■		■	7			
8				■	9			■	
	■		■	10		■	■	11	
■	12	■	13	■		■	14		
15					■	16	■		■
■		■		■	17				18
19			■	20			■	21	
■		■	22	■	■	■	23		
24					■	25			■

बायें से दायें:-

1. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-3
3. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
4. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-3
7. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
8. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2,2
9. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-3
10. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-2
11. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-2
14. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-3
15. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-2,2,1
17. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-2,3
19. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-3
20. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-3
21. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-2
23. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-3
24. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
25. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-4
2. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-4
3. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
4. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-3
5. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
6. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-5
7. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-2
9. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-3
11. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-2,2,3
12. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-2,1,3
13. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-3
16. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-3
17. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
18. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-3
22. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-2
23. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2121

वि	वा	ह	■	इ	श्क	वि	श्क	■	टा
द्या	■	मे	■	श्क	■	धा	■	फ	र्ज
बा	द	शा	ह	■	शै	ता	न	■	न
ल	■	■	सी	मा	■	■	का	ल	■
न	ज	रा	ना	■	श	बा	ब	■	सं
■	मी	ना	■	ना	रा	ज	■	दा	ता
आ	न	■	का	■	बी	■	ना	दा	न
शि	■	जो	शी	ले	■	फि	जा	■	■
क	शि	श	■	कि	ला	■	य	हू	दी
■	वा	■	डॉ	न	■	आ	ज	■	पा

जॉर्जिया में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशाल विनिर्माण संयंत्र बनाएगी हुंदै मोटर

वाशिंगटन। वाहन विनिर्माता कंपनी हुंदै मोटर ग्रुप अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में सवाना के पास इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए समर्पित विशाल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। इस पर 5.5 अरब डॉलर की लागत आने की संभावना है। हुंदै मोटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेहून चांग ने जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प के साथ मुलाकात के दौरान ईवी संयंत्र की स्थापना की घोषणा की। इस संयंत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों की असेंबलिंग के अलावा वाहनों के लिए बैटरी भी बनेगी। हुंदै के मुताबिक, इस विनिर्माण संयंत्र में 8,100 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही कंपनी अधिकारियों ने उम्मीद जाहिर कि 5.5 अरब डॉलर के निवेश के अलावा एक अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश भी यहां किया जाएगा। जॉर्जिया के गवर्नर ने इसे अपने प्रांत में अब तक का सबसे बड़ा निवेश बताकर कहा कि इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होने वाले हैं। केम्प ने कहा, यह इस इलाके में समृद्धि एवं अवसर लाने का जरिया बनेगा। हुंदै ने इस संयंत्र से ईवी का निर्माण कार्य वर्ष 2025 तक शुरू हो जाने की संभावना है। यह संयंत्र करीब 890 हेक्टेयर भूभाग में स्थापित होगा।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर का सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

नई दिल्ली । देश में कोरोना के कारण दो साल के बाद स्कूल फिर से खुल रहे हैं, इसके बाद कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नागरिकों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाने के लिए अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान को आगे बढ़ाया है। कंपनी ने कहा कि गाज़ियाबाद के स्कूल में आयोजित 3 दिवसीय शिविर में 2100 से अधिक स्कूली छात्रों एवं स्टाफ ने हिस्सा लिया और सुरक्षित राइडिंग के गुर सीखे। एचएमएसआई के रोड सेफ्टी इंस्ट्रक्टर्स ने प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए उचित सड़क सुरक्षा लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से सभी को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाया। कंपनी ने कहा कि सड़क सुरक्षा शिक्षा, सड़क सुरक्षा की मानसिकता विकसित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीयों को सड़कों पर सुरक्षित बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत बनाते हुए अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत ऑन-ग्राउण्ड सड़क सुरक्षा ट्रेनिंग फिर से शुरू कर दी गयी है।

इंडीग्रिड का मुनाफा 45 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । अवसंरचना निवेश न्यास इंडीग्रिड के अनुसार मार्च में समाप्त हुई तिमाही में उसका मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 99.80 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुई आखिरी तिमाही में इंडिया ग्रिड ट्रस्ट (इंडीग्रिड) का मुनाफा 68.69 करोड़ रुपए था। 2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय 568.50 करोड़ रुपए थी जो एक साल पहले समान अवधि में 514.09 करोड़ रुपए थी। वित्त वर्ष 2021-22 में मुनाफा भी बढ़कर 343.27 करोड़ रुपए हो गया जो 2020-21 में 334.40 करोड़ रुपए था। 2020-21 में कुल आय 1,714.15 करोड़ रुपए थी, जो इससे अगले वित्त वर्ष में बढ़कर 2,274.44 करोड़ रुपए हो गई।

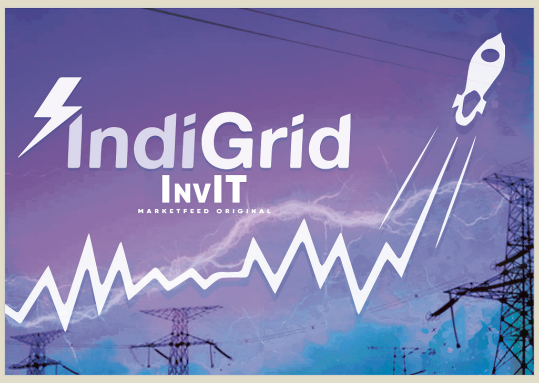

एटीएम से बिना कार्ड निकाल सकेंगे पैसे

आरबीआई ने लागू किया नया नियम

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिना कार्ड के किसी भी एटीएम से पैसे निकालने को लेकर नया नियम जारी किया है। बता दें कि यह सुविधा देश के सभी बैंक और एटीएम मशीनों में उपलब्ध होगी। रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2022 को एक सर्कुलर जारी कर सभी बैंकों से यह सुविधा जल्द शुरू करने को कहा है। इस सुविधा को युनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम के जरिए लिया जा सकता है। गौरतलब है कि आरबीआई की कोशिश है कि आज दौर में जब ऑनलाइन फ्राड बढ़ रहे हैं तब डिजिटल ट्रांजैक्शन को कैसे सुरक्षित बनाया जाए। बैंक के एटीएम से पैसा निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा पूरे सप्ताह 24 घंटे देश में उपलब्ध रहेगी। यह एक सुरक्षित पैसा निकासी का माध्यम है। इस सिस्टम के जरिए मोबाइल पिन जनरेट करना होगा। कैश लेस कैश विड्राल सुविधा में यूपीआई के जरिए ट्रांजैक्शन पूरा होगा। यह सुविधा सिर्फ खुद से पैसा निकालने पर रहेगी। अभी तक सभी बैंकों में यह सुविधा नहीं है। साथ ही ट्रांजैक्शन लिमिट भी रहेगी। मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के साथ सेविंग अकाउंट होल्डर्स को यह सुविधा रहेगी। कुछ बैंकों ने इस सुविधा की अनुमति दी है। बैंक की तरफ से लगाए गए कार्डलेस एटीएम में जाकर

मोबाइल पर रिसीव हुए कोड को बस लिखना होगा। इस तरह की लेन-देन की सीमा 5 हजार से 10 हजार रुपए है।

इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस को 307 करोड़ का लाभ

मुंबई । इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का मुनाफा वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 11.23 प्रतिशत बढ़कर 307 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इंडियाबुल्स हाउसिंग ने बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 276 करोड़ रुपए था। कंपनी ने बताया कि बीते वित्त वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में उसका सकल एनपीए 3.21 प्रतिशत पर रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.86 प्रतिशत पर था। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि कम ऋण लागत और सह-उधार व्यवसाय और प्रतिभूतिकरण से उच्च लाभ के कारण मुनाफे में वृद्धि हुई है।

एक्सिस एएमसी ने फंड मैनेजर को निलंबित किया

नई दिल्ली । एक्सिस बैंक द्वारा प्रवर्तित म्युचुअल फंड एक्सिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एक्सिस एएमसी) ने अपने कोष प्रबंधक को गोपनीय सूचना सार्वजनिक होने से पहले उसका लाभ उठाने (फ्रंट रनिंग) के आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया। कंपनी ने कुछ दिन पहले ही अपने मुख्य व्यापारी वीरेश जोशी को भी इसी आरोप में बर्खास्त किया था। फ्रंट-रनिंग शेयर बाजार में एक अवैध परिपाटी को दर्शाता है जहां एक इकाई अपने ग्राहकों को जानकारी उपलब्ध कराने से पहले किसी ब्रोकर या विश्लेषक से अग्रिम जानकारी के आधार पर सौदा या लेनदेन करती है। एक्सिस एएमसी ने इस महीने की शुरुआत में मामले की जांच पूरी होने तक इन दोनों कोष प्रबंधकों को निलंबित कर दिया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक्सिस एएमसी इस चल रही जांच में सहायता के लिए प्रतिष्ठित बाहरी सलाहकारों का उपयोग करते हुए फरवरी, 2022 से खुद भी आंतरिक जांच कर रही है। पड़ताल के दौरान उन्हें निलंबित करने के निर्णय के बाद दीपक अग्रवाल का एक्सिस एएमसी के साथ नियुक्ति 20 मई, 2022 से समाप्त कर दी गई है। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ने बुधवार को अपने मुख्य व्यापारी और फंड मैनेजर जोशी को भी बर्खास्त कर दिया था। हालांकि एक्सिस एएमसी ने उन उल्लंघनों के बारे में विस्तार से नहीं बताया जिनके कारण दोनों को बर्खास्त किया गया।

दो माह में 13 बार बढ़ी सीएनजी की कीमत, एक साल में 60 फीसदी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को फिर से सीएनजी की कीमतों में दो रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो दो महीने में सीएनजी की कीमतों में 13वीं बढ़ोतरी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की वेबसाइट पर पोस्ट की गई जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत अब 73.61 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 75।61 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहर में 7 मार्च के बाद सीएनजी की कीमतों में यह 13वीं बढ़ोतरी है। इस दौरान सीएनजी की कीमत 19.60 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ी है। पिछले एक साल में कीमतों में 32.21 रुपये प्रति किलोग्राम या 60 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि, घरेलू रसोई में पाइप से गैस की दर, जिसे पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कहा जाता है, उसकी कीमत 45।86 रुपए प्रति एससीएम ही है।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स पिछले साल अक्टूबर से समय-समय पर कीमतें बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य कारण कोरोना महामारी है, जिसके कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था बिगड़ गई है। इसके कारण ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतें बढ़ना शुरू हो गई हैं। प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धिआईजीएल के प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने कहा कि प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण निकट भविष्य में कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। सन 2021 के आखिरी तीन महीनों में सीएनजी की कीमतों में 8।74 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई और जनवरी से हर हफ्ते लगभग 50 पैसे प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई। 1 अप्रैल से सरकार द्वारा स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत दोगुनी से अधिक 6।1 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट होने के बाद दरें बढ़ गई हैं। घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस शहर की गैस की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, इसके लिए आयातित ईंधन (एलएनजी) का उपयोग किया जा रहा है। हाजिर या मौजूदा बाजार में

एलएनजी की कीमत 18-20 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है।

वहीं, कंप्रेस्ड होने पर प्राकृतिक गैस ऑटोमोबाइल में ईंधन के रूप में उपयोग के लिए सीएनजी बन जाती है। उसी गैस को खाना पकाने और अन्य उद्देश्यों के लिए घरेलू रसोई और उद्योगों में पाइप किया जाता है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई में कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत 76 रुपये प्रति किलोग्राम रखी है। वैट जैसे स्थानीय करों के कारण इनकी कीमतें कई शहर में ज्यादा भी हो सकती हैं।

आरबीआई वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सरकार को देगा 30 करोड़ का लाभांश

- बैठक में केंद्रीय बैंक का आकस्मिक जोखिम बफर 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला भी लिया गया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सरकार को 30,307 करोड़ रुपए का लाभांश देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक में यह तय किया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वह सरकार को 30,307 करोड़ रुपए अधिशेष राशि का भुगतान लाभांश के तौर पर किया जाएगा। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय निदेशक मंडल की 596वीं बैठक में सरकार को लाभांश देने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक का आकस्मिक जोखिम बफर 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला भी लिया गया। समिति ने आकस्मिक जोखिम बफर को 6.5 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच निर्धारित किया था। पिछले साल मई में आरबीआई ने जुलाई 2020 से मार्च 2021 तक के नौ महीनों की अवधि के लिए 99,122 करोड़ रुपये के लाभांश भुगतान की घोषणा की थी। इसके साथ ही आरबीआई ने लाभांश के लिए भी वित्त वर्ष के आधार पर भुगतान की व्यवस्था लागू कर दी। उसके पहले तक आरबीआई जुलाई-जून की अवधि के आधार पर लाभांश की घोषणा करता था। आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक में मौजूदा आर्थिक परिदृश्य की भी समीक्षा की गई। इसमें घरेलू हालात के अलावा वैश्विक चुनौतियों और मौजूदा भू-राजनीतिक घटनाक्रम के संभावित असर का भी आकलन किया गया। इसके अलावा पिछले वित्त वर्ष में आरबीआई के कामकाज की समीक्षा भी की गई और वित्त वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट एवं खातों को स्वीकृति दी गई। निदेशक मंडल की बैठक में डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन, माइकल देवव्रत पात्रा, एम राजेश्वर राव और टी रबी शंकर शामिल थे। इसके अलावा बोर्ड के अन्य निदेशक सतीश के मराठे, एस गुरुमूर्ति, रेवती अय्यर और सचिन चतुर्वेदी ने भी बैठक में भाग लिया।

पेटीएम का घाटा चौथी तिमाही में बढ़कर 761 करोड़ हुआ

मुंबई । पेटीएम ब्रांड के तहत काम करने वाली डिजिटल वित्तीय सेवा फर्म वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार को बताया कि मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में उसका संचयी घाटा बढ़कर 761.4 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी को एक साल पहले इसी अवधि में 441.8 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। हालांकि, वन97 कम्युनिकेशंस का संचयी घाटा दिसंबर 2021 तिमाही में 778.4 करोड़ रुपए था। पेटीएम ने भरोसा जताया कि वह सितंबर 2023 तक परिचालन ब्रेकईवेन हासिल कर लेगी। कंपनी की परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में लगभग 89 प्रतिशत बढ़कर 1,540.9 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 815.3 करोड़ रुपए थी।

जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज ने 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया

मुंबई ।

टायर इंडस्ट्री में मशहूर नाम जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेके टायर) ने वित्तीय वर्ष 2022 के लिए अपने ऑडिटेड परिणाम घोषित कर दिए हैं। परिणाम पर टिप्पणी करते हुए जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के सीएमडी डॉ.रघुपति सिंघानिया ने कहा कि जेके टायर ने वित्त वर्ष 2022 में अब तक का सबसे अधिक 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया। कोरोना प्रतिबंधों के खुलने के बाद अच्छी मांग है, जिसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक वाहन और पैसेंजर कार टायर सेक्शंस में ज्यादा डिमांड आई है। एक्सपोर्ट ने शीर्ष-पंक्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 60 फीसदी ज्यादा था। सिंघानिया ने कहा कि वित्त वर्ष 21-22 में असाधारण आवक लागत वृद्धि ने चौतरफा लागत में कमी और दक्षता में सुधार के उपायों के साथ-साथ सभी टायर कैटिगरीज में समय-समय पर कीमतों में वृद्धि के बावजूद हमारे मार्जिन को प्रभावित किया है। हमें उम्मीद है कि तनावों और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के समाधान के बाद मुद्रास्फीति संबंधी दबाव कम होंगे। डॉ. सिंघानिया ने कहा कि हम संसाधनों के संरक्षण, बाजार में उन्नत और अलग-अलग उत्पादों की पेशकश पर ध्यान देने के साथ स्थायी कंपनी बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जेके टायर की सहायक कंपनियों- कैवेंडिश इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जेके

टॉर्नेल, मैक्सिको ने राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दोनों संस्थाओं ने वित्त वर्ष 21-22 के लिए अब तक की सबसे अधिक बिक्री हासिल की है। यह रुझान भविष्य में भी जारी रहेगा। डॉ. सिंघानिया ने कहा कि हम टायर उद्योग के दृष्टिकोण पर आशावादी हैं, क्योंकि हम बेहतर ढांचागत गतिविधियों, उच्च मोटर वाहन मांग और बेहतर बाहरी वातावरण को देखते हैं। कंपनी ने 530 करोड़ रुपये की लागत से अपनी पीसीआर क्षमता का विस्तार किया है। जिसका अतिरिक्त लाभ वर्ष 2023 के अंत तक उपलब्ध होने की उम्मीद है और बिक्री और लाभप्रदता में वृद्धि होगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 593.279 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर से गिरावट आई है। 13 मई, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 2.676 अरब डॉलर घटकर 593.279 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले के सप्ताह में यह 1.774 अरब डॉलर घटकर 595.954 अरब डॉलर रह गया था। 29 अप्रैल, 2022 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.695 अरब डॉलर घटकर 597.73 अरब डॉलर रह गया था। गौरतलब है कि 6 मई को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 596 अरब डॉलर था जो वर्ष 2022-23 के लगभग 10 महीने के लिए प्रोजेक्टेड इंपोर्ट के बराबर था। आरबीआई के जारी साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 13 मई को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग सप्ताह में भारत की एफसीए 1.302 अरब डॉलर घटकर 529.554 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में

वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आंकड़ों के मुताबिक समाप्त सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 1.169 अरब डॉलर बढ़कर 40.57 अरब डॉलर रह गया। एमआईएफ में देश का एसडीआर यानी स्पेशल ड्राइंग राइट 16.50 करोड़ डॉलर घटकर 18.204 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 3.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.951 अरब डॉलर रह गया।

सोने और चांदी की चमक बढ़ी, कीमतों में आया उछाल, सर्राफा बाजार गुलजार

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों में उछाल से भारतीय सर्राफा बाजार गुलजार है। वहीं चांदी भी महंगी हुई है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 722 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्द की गई है जबकि चांदी के भाव में 1962 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल आया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजीए की वेबसाइट के मुताबिक, इस बिजनेस वीक (16 से 20 मई) की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का रेट 50,305 था, जो शुक्रवार तक बढ़कर 51,027 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 60,042 से बढ़कर 62,004 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।

बता दें कि आईबीजीए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग शुध्दता के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजीए द्वारा जारी किए गए दरें देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है। उल्लेखनीय है कि देश में सोने का आयात पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 33.34 फीसदी बढ़कर 46.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में भारत का सोने का आयात 34.62 अरब डॉलर रहा था। गौरतलब है कि जेम्स और ज्वेलरी निर्यात में 2021-22 में तेजी आई है और पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह करीब 55 फीसदी बढ़कर 39.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। हाल ही में इंडस्ट्री बॉडी जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल यानी जीजेईपीसी ने बताया था कि रत्न एवं आभूषण का ग्रॉस निर्यात 2020-21 में 25.40 अरब डॉलर रहा।

ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 प्रो की कीमत में 10 हजार रुपये का इजाफा

-ऑनलाइन भी ग्राहक कर सकेंगे खरीदारी

नई दिल्ली ।

ओला ने अपने दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 प्रो की कीमत में इजाफा किया है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी ने आज से परचेज विंडो खोल दी है, जिससे एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर की नई कीमत का पता चला है। ओला ने एस1 प्रो की कीमत में 10,000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक बढ़ोतरी के पीछे कोई कारण नहीं बताया है। ओला इलेक्ट्रिक एस1 प्रो की नई कीमत अब 1.40 लाख रुपये है। ओला एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर को पिछले साल 15 अगस्त को 1.30 लाख (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च किया गया था। यह कंपनी की तरफ से इलेक्ट्रिक स्कूटर पर पहली बार कीमत बढ़ाई गई है। ईवी निर्माता ने देश के पांच शहरों में टेस्ट राइड कैंप शुरू कर दिए हैं। ओला ने कहा कि इलेक्ट्रिक स्कूटर बुक करने वाले सभी ग्राहकों को ईवी निर्माता द्वारा ईमेल के जरिए सूचित किया जाएगा। ओला इलेक्ट्रिक ने स्कूटर खरीदने वाले इच्छुक ग्राहकों के लिए एक नई खरीद विंडो की घोषणा की है। यह स्कूटर लॉन्चिंग के बाद तीसरी बार है, जब परचेज विंडो खोली गई है। विकेंड तक यह विंडो खुली रहेगी। एस1 प्रो मॉडल की लोकप्रियता की बदौलत ओला इलेक्ट्रिक एक साल से भी कम समय में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट नंबर एक कंपनी बन गई है। अप्रैल में, ओला इलेक्ट्रिक ने 12,683 यूनिट्स की डिलीवरी के साथ बिक्री के मामले में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ महीना दर्ज किया। ओला ने लगभग 40 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज करते हुए, सेगमेंट लीडर हीरो इलेक्ट्रिक को पछाड़ने में कामयाबी हासिल की। ओला इलेक्ट्रिक का एस1 प्रो स्कूटर 131 किलोमीटर की रेंज देता है। वहीं आदर्श परिस्थितियों में यह 185 किलोमीटर की रेंज तक पहुंच सकता है। ई-स्कूटर की टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है और यह जीरो से 100 किमी प्रति घंटा की स्पीड महज तीन सेकंड में पकड़ सकता है। इसके अलावा ओला भारत में 10,000 मासिक बिक्री के आंकड़े तक पहुंचने वाली सबसे तेज ईवी निर्माता भी है। हालांकि, उसी महीने के दौरान, पुणे में आग की घटना के कारण ओला इलेक्ट्रिक को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की 1,441 इकाइयों को वापस लेना पड़ा।

प्लेऑफ से बाहर, हैदराबाद-पंजाब किंग्स आज जीत के साथ सत्र खत्म करना चाहेगी

मुंबई। (एजेंसी)।

सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स दोनों टीम की प्लेऑफ उम्मीदें खत्म हो चुकी है, जिसके बाद दोनों ही टीमें रविवार को एक दूसरे के खिलाफ अंतिम मुकाबले में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र का अंत जीत से करना चाहेंगी। दोनों टीमें तब प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई थीं जब गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटन्स को हरा दिया था। सनराइजर्स हैदराबाद अपने कप्तान केन विलियमसन के बिना होगी जो अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए न्यूजीलैंड लौट गए हैं।

उनकी अनुपस्थिति में या भुवनेश्वर कुमार या फिर निकोलस पूरण के सत्र के अंतिम मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने लगातार पांच मैचों में मिली हार का सिलसिला मुंबई इंडियंस पर तीन रन की करीबी जीत से तोड़ा था जबकि पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स से 17 रन की हार का सामना करना पड़ा था। बल्कि अगर मयंक अग्रवाल की टीम के सत्र के प्रदर्शन की बात की जाए, तब यह काफी अनिरंतर रहा जिसमें टीम लगातार दो मैच नहीं जीत सकी। आरसीबी को 54 रन से हराने के बाद पंजाब को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 'करो या मरो' के मुकाबले में बल्लेबाजी क्रम के लड़खड़ने से हार मिली।

पंजाब की बल्लेबाजी इकाई का प्रदर्शन अनिरंतर रहा और अगर उन्हें बड़ा स्कोर बनाना है, या फिर बड़े स्कोर का बचाव करना है, तब एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा। अगर उसके स्टार बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और लियाम, शिखर धवन नहीं चल पाते हैं, तब पंजाब के पास जितेश शर्मा है, जो बड़े स्कोर तक पहुंचा सकते हैं या फिर मैच खत्म कर सकते हैं। गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा (22) इस सत्र के सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। अर्शदीप सिंह (10) ने भी यार्कर डालने की काबिलियत से प्रभावित किया है, विशेषकर अंतिम ओवरों में खासा प्रभावित किया है।

सनराइजर्स लगातार पांच मैच जीतकर शीर्ष दो में पहुंचने की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन उनके मुख्य गेंदबाज वाशिंगटन सुंदर और टी नटराजन के चोटिल होने से उनका अभियान पटरी से उतर गया और टीम को लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा। कप्तान विलियमसन भी फॉर्म में वापसी नहीं कर सके। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इस बरकरार रखना चाहते हैं। सनराइजर्स के पास अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारूखी भी हैं, जिन्होंने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। भुवनेश्वर और फारूखी एक और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद लगाए होंगे, जबकि नटराजन को टिम डेविड के खुद के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन को भूलकर फिर से अपनी यार्कर पर ध्यान लगाना होगा।

इस सत्र में सनराइजर्स की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी राहुल त्रिपाठी ने संभाली है। पिछले मैच में टीम ने एक रणनीतिक बदलाव किया और उसका फायदा मिला। प्रियम गर्ग को टीम में शामिल किया गया जिन्होंने प्रभावित किया। अभिषेक शर्मा भी टुकड़ों में अच्छे रहे हैं, जबकि ऐडन मार्कराम भी कुछ अच्छी पारियों के बाद सुस्त हो गए।

तीरंदाजी विश्व कप: भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने जीता स्वर्ण

ग्वांग्जू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस को 2 अंक से पछाड़कर विश्व कप चरण में लगातार स्वर्ण पदक जीता। यह विश्व कप के पहले चरण के फाइनल का दोहराव रहा। अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान की तिकड़ी पहले दो दौर में छठी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी से पिछड़ रही थी। लेकिन तीसरे दौर में भारतीय तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के एड्रियन गॉंटियर, जीन फिलिप बलूच और केंटिन बराएर को 232-230 से शिकस्त देकर विश्व कप के दूसरे चरण में स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला।

अप्रैल में अंताल्या में हुए पिछले विश्व कप फाइनल में इसी भारतीय तिकड़ी ने फ्रांस को एक अंक से पराजित किया था। भारतीय स्टार कम्पाउंड तीरंदाज वर्मा ने फिर दूसरा पदक अपने नाम किया। उन्होंने अवनीत कौर के साथ मिलकर मिश्रित टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची वरीय तुर्की की अमीरकन हाने और आयसे बेरा सुजेर की जोड़ी को 156-155 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं अवनीत कौर के लिए यह उनका दूसरा कांस्य पदक था जिन्होंने इससे पहले महिला स्पर्धा में टीम कांस्य पदक जीता था।

पीवी सिंधू थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में हारी

बैंकाक (एजेंसी)।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू शनिवार को यहां सेमीफाइनल में ओलंपिक चैम्पियन चेन यु फेई से सीधे गेम में पराजित होकर थाईलैंड ओपन से बाहर हो गईं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू तीसरी वरीयता प्राप्त चेन से 43 मिनट में 17-21 16-21 से हार गई जिससे उनका सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार सफर खत्म हो गया। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू का इस मैच से पहले चेन के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 6-4 था लेकिन वह चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ वैसा दमदार प्रदर्शन नहीं कर सकीं। वहीं चेन ने आक्रामक बैडमिंटन खेलकर जीत हासिल की। हैदराबाद की 26 वर्षीय खिलाड़ी को पिछली बार चेन से 2019 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में हार मिली थी। सिंधू पहले गेम में 3-3 की बराबरी के बाद ब्रेक तक 7-11 से पिछड़ रही थीं। चेन ने रैलियों से दबदबा बनाना जारी रखा और पांच गेम प्वाइंट बरकरार रखे। सिंधू ने दो गेम प्वाइंट बचाए लेकिन चीनी प्रतिद्वंद्वी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने दूसरे गम में बेहतर खेल दिखाते हुए 6-3 की बढ़त बना ली और ब्रेक तक दो अंक की बढ़त बनाए रहीं। लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की चीन की खिलाड़ी ने जल्द ही गेम पर कब्जा करना शुरू किया और 15-12 से आगे हो लीं। इसके बाद सिंधू लय नहीं पलट सकीं और चेन ने चार मैच प्वाइंट हासिल कर जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला और इंग्लैंड दौरे के लिए आज हो सकता है टीम इंडिया का ऐलान

मुबई (एजेंसी)।

आईपीएल के ठीक बाद भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला खेलनी है। यह श्रृंखला भारत में हो रही है। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक 22 यानी कि रविवार को टीम इंडिया का ऐलान हो सकता है। इसी दौरान इंग्लैंड जाने वाली टीम का भी चयन होगा। खबर यह भी है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ञ्20 सीरीज और इंग्लैंड दौरे के लिए रविवार को टीम इंडिया का ऐलान हो सकता है। इसको लेकर चेतन शर्मा की अगुवाई वाली सिलेक्टर्स की टीम लगातार मंथन कर रही है। सबसे ज्यादा नजरें इस बात पर भी टिकी होंगी कि क्या आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम इंडिया में खेलने का मौका मिलेगा या नहीं?

जानकारी के मुताबिक घरेलू सीरीज जो कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है उसमें कई वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम मिल सकता है। जबकि कई नए खिलाड़ी टीम इंडिया में दिखाई दे सकते हैं। उमरान मलिक, मोहसिन खान, ऋतुराज गायकवाड, देवदत्त पाडिक्कल, आवेश खान, रवि बिश्नोई जैसे कई खिलाड़ी घरेलू श्रृंखला में टीम इंडिया में शामिल किए जा सकते हैं। विकेटकीपर के लिए ईशान किशन और संजू सैमसन को भी टीम इंडिया में शामिल किया जा सकता है। खबर के मुताबिक घरेलू श्रृंखला के लिए कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान केएल राहुल को आराम मिल सकता है। सवाल ये है कि कप्तानी कौन करेगा। इसको लेकर चर्चा लगातार हो रही है। नए कप्तान की रेस में हार्दिक पांड्या और शिखर धवन का नाम सबसे आगे चल रहा है।

अब सवाल यह है कि सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में टीम का दारोमदार किन खिलाड़ियों के ऊपर होगा। ऐसे में कई खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं। इन खिलाड़ियों में ऋतुराज गायकवाड, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, दीपक हुडा, सूर्यकुमार यादव और रविंद्र जडेजा शामिल है। हालांकि रविंद्र जडेजा और सूर्यकुमार यादव के चोट का भी ध्यान रखा जाएगा। जबकि दीपक चहर अभी भी उपलब्ध नहीं है। टीम में ईशान किशन के अलावा संजू सैमसन को भी बरकरार रखा जा सकता है। वहीं, गेंदबाजी की अगुवाई भुवनेश्वर कुमार ही करते दिखाई देंगे। भुवनेश्वर के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षल पटेल, आवेश खान की भी जगह लगभग पक्की है जबकि स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी अश्विन और यूज़वेंद्र चहल के ऊपर होगी। कुलदीप यादव को भी मौका मिल सकता है। उमरान मलिक के चयन को लेकर फिलहाल सब कुछ साफ नहीं हुआ पाया है। लेकिन लखनऊ सुपरजाइंट्स से खेल रहे मोहसिन खान को मौका मिल सकता है।

सुपरबेट रैपिड शतरंज – अरोनियन को हरा विश्वनाथन आनंद एकल बढ़त पर कायम

वारशा ,पोलैंड । पहले दिन लगातार तीन जीत से खेल की शुरुआत करने वाले भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद नें सुपरबेट रैपिड शतरंज के दूसरे दिन भी अपना शानदार खेल जारी रखते हुए अपनी एकल बढ़त कायम रखी है । दूसरे दिन सबसे पहले आनंद नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उक्रेन के किरिल सेवचेंको को सिसिलियन पेलिकान में 38 चालों में पराजित किया तो अगले ही राउंड में काले मोहरो से यूएसए के लेवोन अरोनियन पर बिशप ओपनिंग में उन्होने मात्र 24 चालों में धमाकेदार जीत हासिल करते हुए उन्होने प्रतियोगिता में लगातार अपनी पाँचवीं जीत हासिल की । इसके बाद छठे राउंड मैं मेजबान पोलैंड के यान डूड़ा से फ्रेंच ओपनिंग में आनंद नें बाजी ड्रॉ खेली और फिलहाल वह 11अंको के साथ पहले स्थान पर चल रहे है जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 9 अंको के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे है । प्रतियोगिता के अंतिम दिन आनंद को रोमानिया के डेविड ,यूएसए के फबियानों करूआना और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से मुक़ाबला खेलेंगे।

सीएसके के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड, आईपीएल इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

मुंबई (महाराष्ट्र)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए आईपीएल मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही टीम के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी जुड़ गया है। आईपीएल के इतिहास में पहली बार सीएसके के बल्लेबाजों में से कोई भी एक सत्र के दौरान 400 रन या अधिक नहीं बना सका। शुक्रवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अंतिम आईपीएल 2022 खेल के बाद टीम ने यह अवांछित रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। सीजन के पहले हाफ के खराब प्रदर्शन के बाद बल्लेबाज ने दूसरे हाफ में कुछ शानदार पारियां खेली और 14 मैचों में 26.29 की औसत से 368 रन बनाए हैं। 99 के सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर के साथ उन्होंने तीन अर्द्धशतक भी बनाए। उनके बाद शिवम दुबे (289), अंबाती रायडू (274), डेवोन कॉनवे (252) और मोइन अली (244) हैं। सीएसके ने राजस्थान के खिलाफ पांच विकेट से हार के साथ अपने मौजूदा सत्र का निराशाजनक रूप से अंत किया क्योंकि वे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे। सीएसके के 14 मैचों में केवल चार जीत के साथ आठ अंक रहे और प्वाइंट टेबल में मुंबई इंडियंस के बाद सीएसके दूसरे सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली टीम बनी।

श्रीलंका झटकों से उबरा, बांग्लादेश से ड्रा रहा पहला टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) प्रो लीग मैचों के यूरोपीय चरण के लिए शनिवार को सविता पूनिया के नेतृत्व में 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का चयन किया। भारतीय टीम स्पेन और नीदरलैंड में एक से 17 जुलाई तक खेले जाने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप से पहले 11 से 22 जून तक प्रो लीग के छह मैच खेलेगी। भारतीय टीम 11 और 12 जून को एंटवर्प में मेजबान बेल्जियम के खिलाफ खेलने के बाद नीदरलैंड के रॉटरडैम में अर्जेंटीना (18 और 19 जून) और अमेरिका (21 और 22 जून) का सामना करेगी। सविता टीम का नेतृत्व करना जारी रखेगी, हालांकि स्टार स्ट्राइकर और पूर्व कप्तान रानी रामपाल के टोक्यो ओलंपिक के बाद पहली बार मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान रानी लंबे समय से रिहैबिलिटेशन में थीं। उन्हें पिछले महीने नीदरलैंड्स के खिलाफ भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग के आखिरी दो मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वह नहीं खेल पाईं थी। अनुभवी डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का टीम की उप कप्तान होंगी जिसमें बिचु देवी खरीबाम, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले, बलजीत कौर, संगीता कुमारी और दीपिका जैसे जूनियर विश्व कप सितारे भी हैं। स्विट्जरलैंड में चार और पांच जून को होने वाली 'एफआईएच महिला हॉकी 5' में भारतीय टीम की कप्तान और उपकप्तान क्रमशः रजनी एतिमारपू और महिमा चौधरी के अलावा राजविंदर कौर को स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है।

टीम की मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, 'यह यूरोप में प्रो लीग मैचों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण होने जा रहा है क्योंकि इससे जुलाई में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के बारे में पता चलेगा। शोपमैन ने कहा, 'ये मैच विश्व कप के लिए हमारी टीम को अंतिम रूप देने में भी महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं।' भारतीय टीम प्रो लीग की तालिका में आठ मैचों में 22 अंक (चार जीत, तीन ड्रॉ और एक हार) के साथ दूसरे स्थान पर है। अर्जेंटीना की टीम शीर्ष पर है।

टीम :

गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचू देवी खरीबाम

डिफेंडरः दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले

मिडफील्डरः निशा, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सोनिका, सलीमा टेटे, बलजीत कौर

फॉरवर्डः वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी, संगीता कुमारी, दीपिका, रानी .

पाकिस्तान के हॉकी कोच ने कहा- भारत के खिलाड़ी हमारे देश के खिलाड़ियों के आदर्श

नई दिल्ली : पाकिस्तान हॉकी टीम के मुख्य कोच सेगफ्राइड ऐकमैन ने शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाड़ी अपने भारतीय समकक्षों का काफी सम्मान करते हैं और उनमें से कुछ को अपना आदर्श मानते हैं। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान सोमवार को इंडोनेशिया के जकार्ता में एशियाई कप के पूल ए के पहले मैच में आमने सामने होंगे। ऐकमैन ने मैच से पूर्व कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों में भारतीय हॉकी खिलाड़ियों का काफी सम्मान है। कुछ भारतीय उनके आदर्श भी हैं। मुझे भी भारतीय खिलाड़ियों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के लिए यही सम्मान नजर आता है। इस तरह का माहौल अच्छा है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट विश्व कप का क्वालीफायर है। भारत, जापान, पाकिस्तान और मेजबान इंडोनेशिया को पूल ए में जगह मिली है जबकि मलेशिया, कोरिया, ओमान और बांग्लादेश को पूल बी में रखा गया है।

द रॉक और रोमन रेंज में होगा मुकाबला, हेमैन ने दी अहम जानकारी

खेल डैस्क। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज ड्वेन 'द रॉक' जॉनसन को उनके चचेरे भाई और निर्विवाद चैंपियन रोमन रेंस के खिलाफ एक ड्रीम मैच की पेशकश की गई है। रेंस के विशेष वकील पॉल हेमन ने कहा कि दो कुश्ती सितारों के बीच यह मुकाबला रैसलमेनिया 39 में हो सकता है लेकिन इसके लिए द रॉक की सहमति जरूरी है। जॉनसन और द ट्राइबल चीफ के बीच कई सालों से एक मैच के लिए रैसलिंग फैंस प्रतीक्षा कर रहे हैं। हेमैन का कहना है कि यह पूरी तरह ड्वेन जॉनसन पर निर्भर है। अगर ड्वेन जॉनसन शर्मिंदा होना चाहते हैं और अपमानित होना चाहते हैं और रोमन रेन्स के खिलाफ पूरी दुनिया के सामने टूटना चाहते हैं, तो उनका द ट्राइबल चीफ के खिलाफ कदम उठाने का स्वागत है। फैंस को द ट्राइबल चीफ द्वारा स्मैश द रॉक देखने को मिल सकता है। हेमैन ने कहा- हम ड्वेन 'द रॉक' जॉनसन के साथ रोमन रेंस के मुकाबले को लेकर उत्सुक हैं। लेकिन हाल फिलहाल हम सिर्फ अनुमान लगा रहे हैं। जब तक ड्वेन जॉनसन के हस्ताक्षर वाला कागज हमारे हाथ में नहीं आता तब तक इसे वास्तविक नहीं माना जा सकता। बता दें कि रोमन रेंज और द रॉक रिश्ते में भाई लगते हैं। वह सिमोया फैमिली से हैं जोकि काफी सालों पहले चीन-जापान से अमरीका में आकर बस गए थे। इसी फैमिली से कई बड़े सितारे योकोयूना और रिकिशी भी निकले हैं। मौजूदा महिला रैसलर निया जैक्स भी इस फैमिली से हैं। अगर यह मुकाबला होता है तो निश्चित रूप से दो भाई रिंग में एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे।

टाइगर वुड्स ने पीजीए चैम्पियनशिप में कट हासिल किया

तुलसा (ओकलाहोमा)। स्टार गोल्फर टाइगर वुड्स ने दर्द के बावजूद यहां सदर्न हिल्स में पीजीए चैम्पयनशिप के दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर कट हासिल किया। वुड्स का कुल स्कोर तीन ओवर पार हो गया है और वह एक शॉट से कट लाइन के अंदर रहने में सफल रहे। कार दुर्घटना के बाद पैर की सर्जरी के बाद वापसी करने वाले वुड्स ने पिछले महीने मास्टर्स टूर्नामेंट में वापसी की थी। उन्होंने इसमें कट हासिल किया लेकिन इसके बाद वह पीजीए चैम्पियनशिप की तैयारियों के लिए किसी अन्य टूर्नामेंट में नहीं खेले। पीजीए चैम्पियनशिप में चार खिताब जीतने वाले वुड्स ने 2007 में सदर्न हिल्स में पिछली ट्राफी जीती थी।

विम्बलडन से खिलाड़ियों को नहीं मिलेंगे रैंकिंग अंक, ये है बड़ी वजह

पेरिस । महिला और पुरूष पेशेवर टेनिस टूर इस साल विम्बलडन के लिए रैंकिंग अंक प्रदान नहीं करेगा क्योंकि ऑल इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया है। डब्ल्यूटीए और एटीपी ने इस फैसले की घोषणा शुक्रवार की रात को की। फ्रेंच ओपन के शुरू होने से दो दिन पहले ही यह घोषणा की गयी है और विम्बलडन एक महीने बाद 27 जून से शुरू होगा।

करियर की बाधाओं ने मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाया : निकहत जरीन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व चैम्पियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने कहा कि अपने करियर में मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने से वह मानसिक रूप से मजबूत बनी क्योंकि तब उन्होंने स्वयं से कहा कि 'जो कुछ भी हो मुझे लड़ना है और अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।' निकहत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इस्तांबुल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में गुरुवार को थाईलैंड की जितपोंग जुतामास को 5-0 से हराकर फ्लाईवेट (52 किग्रा) वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

जरीन ने बाद में संवाददाताओं से कहा, ''इन दो वर्षों में मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और मेरे खेल में जो भी कमियां थी उनमें सुधार करने की कोशिश की।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अपने मजबूत पक्षों पर काम किया। मैंने अपने कमजोर पक्षों पर काम किया। मैंने उन सभी पक्षों पर काम किया जिन पर मुझे काम करने की जरूरत थी और खुद को मजबूत बनाया।''

जरीन ने कहा, ''मैंने अपने करियर में जिन बाधाओं का सामना किया है, उन्होंने मुझे मजबूत बनाया। मैं इन सबके बाद मानसिक रूप से मजबूत बनी हूं। मेरा मानना है कि चाहे कुछ भी हो जाए, मुझे लड़ना है और अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।'' जरीन ने इस स्वर्णिम उपलब्धि से दो साल पहले तत्कालीन खेल मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर ओलंपिक क्वालीफायर के लिये 'निष्पक्ष ट्रायल' करवाने का आग्रह किया था। इस कारण जरीन को सोशल मीडिया पर 'ट्रोल' किया गया था, जबकि एमसी मेरीकॉम ने कड़े शब्दों में पूछा था ''कौन निकहत जरीन?'' जरीन इसके बाद ट्रायल में मेरीकॉम से हार गयी जिससे वह तोक्यो खेलों में जगह नहीं बना पायी। इससे पहले 2011 की जूनियर विश्व चैंपियन जरीन को कंधे की चोट से भी जूझना पड़ा, जिससे वह एक साल तक खेल से बाहर रही और 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पायीं।

जरीन ने कहा, ''मैं 2017 में कंधे की चोट से परेशान रही जिसके लिये मुझे आपरेशन करवाना पड़ा और मैं एक साल तक प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पायी थी। मैंने 2018 में वापसी की लेकिन अपने चरम पर नहीं थी इसलिए बड़ी प्रतियोगिताओं जैसे राष्ट्रमंडल खेल, एशियाड और विश्व चैंपियनशिप में खेलने से चूक गयी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैंने हार नहीं मानी और 2019 में वापसी के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने सभी प्रतियोगिताओं को एक अवसर के रूप में लिया है और मुझे खुद पर विश्वास था। उसी की वजह से मैं आज यहां हूं।'' जरीन अब राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल की तैयारी करेंगी जिसके लिए उन्हें अपना वजन घटाकर 50 किग्रा करना होगा। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रमंडल खेलों में 50 किग्रा वर्ग होता है, मैं अब इसके लिये तैयारी करूंगी।'' तेलंगाना की रहने वाली 25 वर्षीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक के लिये तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन यह तय नहीं है कि वह किस भार वर्ग में खेलेंगी। उन्हें या तो 54 किग्रा या फिर 50 किग्रा में भाग लेना होगा। जरीन ने इस बारे में कहा, ''भार वर्ग बदलना मुश्किल होता है फिर चाहे आपको कम वजन वर्ग में भाग लेना हो या अधिक वजन वर्ग में। कम भार वर्ग से अधिक भार वर्ग में हिस्सा लेना अधिक मुश्किल होता है।'' जरीन ने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर मैं 50 किग्रा वर्ग में खेलती हूं तो इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। आम तौर पर मेरा वजन 51 किग्रा या 51.5 किग्रा रहता है। ऐसे में मेरा शरीर 50 किग्रा में अच्छा काम करेगा। इसलिए मैं अभी 50 किग्रा भार वर्ग में खेलना जारी रखूंगी।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।
हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।
हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।
इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।
एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।
राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?
अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।
राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।
राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।
मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।
राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।
मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?
राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।
बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।
वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।
राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।
राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

सार समाचार

इजराइली सैनिकों की गोलीबारी में फलस्तीन के एक किशोर की मौत

यरूशलम। इजराइल के सैनिकों ने वेस्ट बैंक में फलस्तीन के एक किशोर की गोली मारकर हत्या कर दी। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय और स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। वहीं, इजराइल की सेना ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। इजराइल के सैनिकों ने वेस्ट बैंक के जेनिन शहर में पिछले कुछ माह से रात के वक्त छापे मारने शुरू किए हैं। फलस्तीन के स्वास्थ मंत्रालय ने मारे गए किशोर की शिनाख्त अमजद अल-फय्याद (17) के तौर पर की है। मंत्रालय ने बताया कि इजराइल की गोलीबारी में एक अन्य किशोर घायल हुआ है और 18 वर्षीय उस किशोर की हालत गंभीर है। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, इजराइली बलों के आने के बाद जेनिन में शरणार्थी शिविर के बाहर झपड़ें शुरू हो गईं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अल फय्याद को गोली क्यों मारी गई। इजराइल का कहना है कि वह वांछित आतंकवादियों और इजराइल पर हाल-फिलहाल में हुए घातक हमलों के साजिशकर्ताओं को पकड़ने के लिए 'आतंकवाद रोधी अभियान' चला रहा है। गौरतलब है कि 11 मई को अल जजीरा के लिए काम करने वाली फलस्तीन की वरिष्ठ पत्रकार जेनिन में इजराइली सेना की कार्रवाई की रिपोर्टिंग के दौरान मारी गई थी।

कोरोना का कहर? उत्तर कोरिया में 2,20,000 और लोगों में बुखार के लक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को कहा कि करीब 2,20,000 और लोगों में बुखार के लक्षण पाए गए हैं। वहीं, उसके नेता किम जोंग उन ने कोविड-19 के प्रसार को धीमा करने में प्रगति होने का दावा किया है। देश की 2.6 करोड़ की आबादी ने कोविड-19 रोधी टीके की खुराक नहीं ली है। कोरोना वायरस के इस प्रसार ने दुनिया की सबसे खराब स्वास्थ्य प्रणाली वाले गरीब और अलग-थलग पड़े देश में गंभीर स्थिति को लेकर चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया संक्रमण के प्रसार के सही पैमाने को कमतर कर रहा है। उत्तर कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, शुक्रवार को शाम छह बजे तक 24 घंटे में उत्तर कोरिया के करीब 2,19,030 लोगों में बुखार के लक्षण पाए गए। लगातार पांचवें दिन बुखार के मरीजों में यह करीब 2,00,000 मामलों की वृद्धि है। उत्तर कोरिया ने कहा कि अप्रैल के अंत से तेजी से फैल रहे अज्ञात बुखार के कारण 24 लाख से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं और 66 लोगों की मौत हो चुकी है। किम ने शहरों के बीच यात्रा पर सख्त पाबंदियां भी लगायी है और राजधानी प्योंगयांग में दवा की दुकानों तक दवाइयों को पहुंचाने में मदद के लिए हजारों सैनिकों को तैनात किया है। राजधानी प्योंगयांग इस संक्रमण का केंद्र है। किम ने शनिवार को सत्तारूढ़ पार्टी पोलितब्यूरो की बैठक में कहा कि देश में संक्रमण का प्रसार नियंत्रण में है। उन्होंने आर्थिक परेशानियों को कम करने के लिए महामारी संबंधी पाबंदियों में छूट देने का भी संकेत दिया। सरकारी मीडिया द्वारा जारी वीडियो में शनिवार को उत्तर कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी ह्योन चोल हेइ के अंतिम संस्कार के दौरान किम को रोते हुए भी देखा गया। ऐसा माना जाता है कि किम जोंग द्वितीय के शासन के दौरान उनके बेटे किम को भविष्य के नेता के तौर पर तैयार करने में चोल हेइ की अहम भूमिका थी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख अगले सप्ताह चीन के दौरे पर जाएंगी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष मानवाधिकार अधिकारी सोमवार को चीन की छह दिवसीय यात्रा पर जाएंगी। उनके कार्यालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कार्यालय ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैश्लेट अपनी इस यात्रा के दौरान शिनजियांग क्षेत्र भी जाएंगी। मानवाधिकार समूहों और कुछ पश्चिमी देशों की सरकारों का आरोप है कि चीन सरकार शिनजियांग क्षेत्र में उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों का नरसंहार कर रही है। हालांकि चीन सरकार इन आरोपों से इनकार करती आई है। बैश्लेट ग्वांगझोउ, काशगर और शिनजियांग की क्षेत्रीय राजधानी उरुमकी का दौरा करेंगी। उनके कार्यालय ने बताया कि 2005 के बाद से मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त की चीन की यह पहली यात्रा होगी। वह उच्चस्तरीय राष्ट्रीय और स्थानीय अधिकारियों, नागरिक समाज संगठनों, व्यापार प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों के साथ बैठक करेंगी। कार्यालय ने बताया कि वह ग्वांगझोउ विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान देंगी। पांच सदस्यीय एक टीम 25 अप्रैल को बैश्लेट की यात्रा की तैयारी के लिए चीन पहुंची थी जिसने ग्वांगझोउ और शिनजियांग की यात्रा की थी। बैश्लेट ने मार्च में घोषणा की थी कि उनके कार्यालय ने चीन की सरकार के साथ एक समझौता किया है कि वह शिनजियांग का दौरा कर सकती हैं।

दुनिया में 2019 में 'सर्दी जुकाम' के वायरस ने ली 1,00,000 बच्चों की जान : लांसेट का अध्ययन

लंदन। सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण पैदा करने वाले सामान्य वायरस ने 2019 में दुनिया भर में पांच साल से कम उम्र के करीब 1,00,000 बच्चों की जान ली है। ह्यद लांसेटह्ल पत्रिका में प्रकाशित नये अध्ययन में उक्त दावा किया गया है। इस अध्ययन में पहली बार बेहद छोटे आयुवर्ग पर 'रेसपीरेटरी सिनसिशियल वायरस' (आरएसवी) के प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के अनुसार, 2019 में शून्य से छह महीने आयुवर्ग के 45,000 से ज्यादा बच्चों की मौत हुई है। दुनिया में आरएसवी के कारण होने वाली पांच में से एक मौत इसी आयुवर्ग में होती हैं। अनुसंधान के सह-लेखक हरीश नायर ने कहा, 'आरएसवी छोटे बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारी का मुख्य कारण है और हमारे तात्कालीक अनुमान के अनुसार छह महीने या उससे कम आयु के बच्चे इससे ज्यादा संवेदनशील हैं।' नायर ब्रिटेन के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि खास तौर से ऐसे में जब 'दुनिया भर में कोविड-19 पाबंदियों से छूट मिलने के कारण संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और पिछले दो साल में जन्मे बच्चों का आरएसवी से वास्ता नहीं पड़ा है (ऐसे में उनमें इस वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं हुई है)।' अनुसंधानकर्ता ने कहा कि आरएसवी के तमाम टीके हैं और प्राथमिकता के आधार पर टीका किसे लगाया जाए, यह तय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्राथमिकता वाले समूहों में गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं ताकि नवजात बच्चों का इससे बचाव हो सके।

ईंधन की कमी के चलते श्रीलंका में स्कूल बंद, कामकाज प्रभावित

कोलंबो।श्रीलंका के अधिकारियों ने दशकों के सबसे खराब आर्थिक संकट के बीच ईंधन की भारी कमी के कारण शुक्रवार को यहां स्कूल बंद कर दिए और सरकारी अधिकारियों से काम पर नहीं आने की अपील की। लोक प्रशासन मंत्रालय ने आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने वालों को छोड़कर, बाकी सरकारी अधिकारियों से देश भर में मौजूदा ईंधन की कमी के मद्देनजर शुक्रवार को काम पर नहीं आने के लिए कहा। राज्य और सरकार द्वारा अनुमोदित निजी स्कूल भी ईंधन की बढ़ती कमी के बीच शुक्रवार को बंद कर दिए गए। हजारों लोग देश भर में ईंधन केंद्रों पर कतारों में इंतजार कर रहे थे। गौरतलब है कि श्रीलंका मेंपेट्रोल लगभग खत्म हो गया है और अन्य ईंधन की भी भारी कमी होने लगी है। सरकार हाल के महीनों में ईंधन, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं के आयात का भुगतान करने के लिए धन जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है, क्योंकि द्वीपीय राष्ट्र दिवालिया होने के कगार पर है। देश में उभरे आर्थिक संकट ने एक राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। सरकार को व्यापक विरोध और अशांति का सामना करना पड़ रहा है। महीनों से श्रीलंका के निवासियों ने उन आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिए लंबी लाइनों का सामना किया है, जिनमें से अधिकांश सामान विदेशों से आता है।

यूक्रेन में रूसी सैनिकों द्वारा की जा रही यौन हिंसा के विरोध में एक टॉपलेस महिला ने कान्स फिल्म समारोह में अपना विरोध दर्ज कराया।

चीन में जीरो-कोविड पॉलिसी फेल, राष्ट्रपति शी जिनपिंग की हुई किरकिरी

बीजिंग । कोरोना के संक्रमण को दुनियाभर में फैलाने के नाम से कुख्यात चीन एक बार फिर इस वायरस की चपेट में है। इसकी रोकथाम के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपनी जीरो कोविड पॉलिसि को लेकर किरकिरी झेलनी पड़ रही है। चीन के बड़े शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और ऑनलाइन कैंपेन चलाए जा रहे हैं। इसमें चीन की जीरो-कोविड नीति के लिए राजनीतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग हो रही है।

आपको बता दें कि चीन में कठिन लॉकडाउन लगाया गया। बड़े पैमाने पर टेस्टिंग की गई। सीमाओं को सील किया। दो साल तक वायरस से मुकाबला किया। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में अपेक्षाकृत मौतें भी कम हुईं। वहीं, अधिकांश पश्चिमी देशों को भारी प्रकोप का सामना करना पड़ा। चीन की जीरो कोविड पॉलिसी को लेकर पिछले साल सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की शताब्दी के दौरान जश्न मनाया गया था। हालांकि, ओमिक्रॉन वैरिएंट ने चीन की जीरो कोविड पॉलिसी की पोल खोल दी है। सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। शंघाई में इसका सबसे अधिक असर दिख रहा है। बीजिंग के लोगों को भी डर हो रहा है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में चीन के प्रोफेसर विविएन शी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया, नेतृत्व की अकर्मण्यता, जिद्द और नासमझी जोखिम पैदा कर रही है। इसके बावजूद, शी का कहना है कि देश को जीरो-कोविड पॉलिसी के साथ चलना चाहिए।

यूक्रेन- मारियूपोल में आखिरी किला भी ढहा, पुतिन खुश, पूरा शहर रूस के कब्जे में

पोक्रोव्स्क, यूक्रेन (एजेंसी)

रूस के भीषण हमलों को करीब तीन महीने से झेल रहा यूक्रेन बेजार है। वहीं, जंग में रूस ने सबसे बड़ी कामयाबी हासिल करने का दावा किया है। रूस का दावा है कि उसके सैनिकों ने यूक्रेन के मारियुपोल शहर पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। यूक्रेन ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। इस जंग में ये बंदरगाह शहर पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। चारों तरफ खंडहर बनी इमारतें और जली हुई गाड़ियां नजर आ रही हैं। यहां 20 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है।

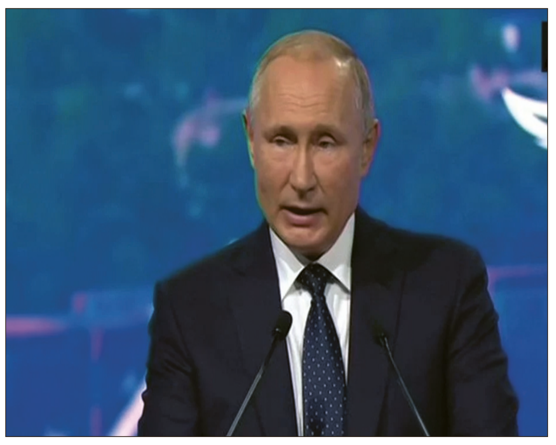

समाचार के मुताबिक, रूस के रक्षा मंत्री सर्गेइ शोइगु ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मारियुपोल में अजोवस्तल इस्पात संयंत्र और शहर को ह्यपूरी तरह आजाद करानेह्ल की जानकारी दी। यह स्टील प्लांट यूक्रेनी प्रतिरोध का प्रतीक बन गया था। इस प्लांट के अंदर यूक्रेन के सैकड़ों सैनिक और नागरिक हथियारों के साथ जमा थे और रूसी सैनिकों से मोर्चा ले रहे थे। यूक्रेन पर हमले के पहले ही दिन से रूस मारियूपोल पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा था। उसका लगभग पूरे मारियूपोल शहर पर कब्जा हो गया था, लेकिन इस स्टील प्लांट से उसे तगड़ी चुनौती मिल रही थी। इसी की बदौलत रूसी सैनिक यहां आगे नहीं बढ़ पा रहे थे।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि सोमवार से लेकर अब तक प्लांट में छिपे कुल 2,439 यूक्रेनी लड़ाकों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें से 500 से अधिक लड़ाकों ने शुक्रवार को सरेंडर किया। इन सैनिकों को रूस ने बंदी बना लिया है। इनमें से कुछ को दूरदराज की जगहों पर ले जाया गया है। रूसी अधिकारियों ने इस्पात संयंत्र में छिपे कुछ लड़ाकों को ह्यनाजीह्ल और अपराधी बताते हुए उन पर युद्ध अपराध के लिए मुकदमा चलाने की धमकी दी है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि मारियुपोल का रूस के कब्जे में आना इस जंग में सांकेतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। यूक्रेन के सबसे दक्षिण में स्थित मारियुपोल अजोव सागर से जुड़ा हुआ है। मारियुपोल पर रूस का कब्जा होने से उसे क्रीमिया से लेकर पूर्वी यूक्रेन यानी डोनबास तक के लिए जमीनी रास्ता मिल गया है।

डोनबास से ही रूस ने सबसे पहले जंग शुरू की थी और इसे स्वतंत्र घोषित कर दिया था। शुक्रवार को अन्य घटनाक्रम में पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को अरबों रुपये की और वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इसके अलावा, डोनबास में लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूसी सेना ने लुहांस्क क्षेत्र में एक अहम शहर पर हमले किए। एक मुख्य राजमार्ग पर भी बम बरसाए। एक स्कूल पर भी रूसी हमला हुआ है, जो डोनबास इलाके का ही हिस्सा है।

भारत ने वैश्विक संस्थानों में तत्काल सुधार का आह्वान किया

किंग्स्टन (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि समकालीन वैश्विक वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के साथ वैश्विक संस्थानों में तत्काल सुधार किया जाना चाहिए। यहां कैरीबियाई देश सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस की 'हाउस असेंबली' की एक विशेष बैठक को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, 'हमारे साझा इतिहास में किसी भी समय की तुलना में बहुपक्षवाद आज की दुनिया में अधिक प्रासंगिक है।'

उन्होंने कहा कि सभी देशों में मजबूत, ठोस, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षवाद को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि हालांकि, बहुपक्षवाद के प्रासंगिक और प्रभावी बने रहने के लिए संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दो विश्व युद्धों के बाद उभरे ढांचे और स्थिति के मद्देनजर एक प्रमुख मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया कि एक अन्य युद्ध को रोका जाए। कोविंद ने कहा, 'आज के जटिल मुद्दों से निपटने के लिए हम जिस नई विश्व व्यवस्था का निर्माण करना चाहते हैं, वह एक समावेशी विश्व व्यवस्था है जहां हर देश अपने वैध हितों को जाहिर कर सकता है।' उन्होंने कहा कि समावेशी विश्व व्यवस्था की वकालत करने में भारत का उद्देश्य एक सार्वभौमिक, नियम-आधारित, स्वतंत्र, पारदर्शी,गैर-भेदभावपूर्ण और न्यायसंगत बहुपक्षीय प्रणाली को बढ़ावा देना है। कोविंद ने कहा, 'इसलिए समकालीन वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के साथ वैश्विक संस्थानों में सुधार करना समय की मांग है।' उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत और सेंट विंसेंट तथा ग्रेनेडाइंस एक साझा हित, दृष्टिकोण और समझ साझा करते हैं। इस समय यूएनएससी में पांच स्थायी सदस्य और 10 गैर-स्थायी सदस्य देश शामिल हैं। अस्थायी सदस्यों को संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है।

नए हेलीकॉप्टर को लेकर सवालों के घेरे में इमरान, दुबई के बैंक से किया गया पेमेंट

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सत्ता से बेदखल होने के बाद देश की आवाम तक पहुंचने की कोशिश में लगे हैं। वह पाकिस्तान के अलग-अलग शहरों में ताबड़तोड़ रैलियां कर शरीफ परिवार पर देश को लूटने का आरोप लगा रहे हैं वह जनता को बता रहे हैं कि वर्तमान हुकूमत विदेशी ताकतों के हाथ की कठपुतली है।

इमरान अपनी रैलियों में कभी प्राईवेट जेट, तो कभी किराए के हेलिकॉप्टर इस्तेमाल करके पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को मुल्तान में अपने जलसे में वह ब्रैंड न्यू हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे, जिसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। इमरान खान से सवाल पूछे जा रहे हैं कि आपके पास नया हेलीकॉप्टर कहां से आया, इसका पेमेंट किसने किया? इस मुद्दे पर वह चुप्पी साधे हुए हैं। इस बीच पाकिस्तान के खोजी पत्रकार असद अली तूर ने इन सवालों का जवाब दिया है। असद ने कहा पूरा पाकिस्तान जानना चाहता है कि इमरान के पास नया हेलीकॉप्टर कहां से आया? हमने लंबी तहकीकात के बाद कुछ सबूत और अन्य जानकारियां हासिल की हैं।

असद अली तूर का कहला है कि हेलीकॉप्टर के सरकार और आवाम की नजर में आने से इमरान खान व उनके करीबी परेशान हो गए हैं। इस हेलीकॉप्टर को अमेरिका से खरीदा गया है, जिसका पेमेंट दुबई के बैंक से हुआ। तूर के मुताबिक मामले का खुलासा होने पर अब इमरान खान अपने करीबियों के जरिए यह खबर फैला रहे हैं कि अमेरिका और दूसरे देशों में रहने वाले उनके समर्थकों ने चंदा जुटाकर यह हेलीकॉप्टर खरीदा और उन्हें डोनेट किया ?है। ताकि उन्हें इलेक्शन कैंपेन में दिक्कत न हो।

बेल्जियम में समलैंगिकों का फेस्टिवल बना सुपर स्प्रैडर, मंकीपॉक्स के 70 से ज्यादा मामलों की पुष्टि

ब्रसेल्स (एजेंसी)

कोरोना महामारी के बाद दुनिया पर एक और घातक बीमारी का खतरा बढ़ता जा रहा है। कुछ ही दिनों में मंकीपॉक्स के यूरोप में 100 से ज्यादा पुष्ट या संदिग्ध केस सामने आ चुके हैं। 11 से ज्यादा देशों में ये बीमारी फैल चुकी है। जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम समेत कई यूरोपीय देशों में 70 से ज्यादा केसों की पुष्टि हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जांच शुरू कर दी है।

बेल्जियम में मंकीपॉक्स के तीन केसों की पुष्टि हुई है। इनके बारे में सामने आया है कि इनका संबंध समलैंगिकों के एक बड़े फेस्टिवल से हो सकता है। यह फेस्टिवल एंटवर्प शहर में हुआ था और इसमें काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया था। बेल्जियम में 5 मई से डार्कलैंड नाम से एक फेस्टिवल हुआ था। यह फेस्टिवल चार दिनों तक चला था। इस फेस्टिवल के बारे में आयोजक बताते हैं कि इसमें कई क्लबों और ऑर्गनाइजरों ने हिस्सा लिया। 150 से ज्यादा वॉलंटियर को शामिल किया जाता है। दिन में कमर्शियल इवेंट होते हैं। उसके बाद शाम की पार्टियां होती हैं।

इन पार्टियों में विभिन्न समलैंगिक समुदायों से जुड़े लोग हिस्सा लेते हैं। फेस्टिवल के आयोजकों ने आशंका जताई है कि बेल्जियम में जिन तीन लोगों में मंकीपॉक्स के लक्षण मिले हैं। उन्हें संभवतः यह बीमारी फेस्टिवल में विदेश से आए लोगों से लगी होगी क्योंकि हाल के समय में विदेश में मंकीपॉक्स के कई केस सामने आए हैं। सरकार के रिस्क असेसमेंट ग्रुप ने फेस्टिवल की जांच शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि मंकीपॉक्स मूलतः जानवरों में फैलने वाली बीमारी है। सन 1958 में पहली बार एक बंदर में यह बीमारी देखी गई थी। 1970 में पहली बार इंसान में इसके संक्रमण का पता चला था। यह एक दुर्लभ, लेकिन गंभीर वायरल बीमारी है। यह संक्रमित व्यक्ति के शरीर से निकले तरल पदार्थों के संपर्क में आने से फैलता है। उसके आसपास ज्यादा देर तक रहने से भी ये बीमारी घेर सकती है। इसमें बुखार, दर्द और थकावट जैसे लक्षण दिखते हैं। शरीर पर पहले लाल चकत्ते और फिर फोड़े बन जाते हैं। चेचक जैसे दाने उभर आते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, मंकीपॉक्स से संक्रमित हर 10वें व्यक्ति की मौत हो सकती है।

जंगल के आसपास रहने वालों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा रहता है। समलैंगिक सेक्स के जरिए भी ये बीमारी लोगों की अपनी चपेट में ले सकती है। इसका असर आमतौर पर दो से चार सप्ताह तक रहता है। कुछ मामलों में यह गंभीर हो सकती है, लेकिन ज्यादातर में खुद ठीक हो जाती है। भारत में अब तक मंकीपॉक्स का कोई संदिग्ध मरीज नहीं मिला है। हालांकि केंद्र ने इस बीमारी को लेकर अलर्ट रहने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और आईसीएमआर को स्थिति पर नजर रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा एयरपोर्ट और बंदरगाहों पर स्वास्थ्य अधिकारी सचेत रहें और मंकीपॉक्स से प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों को अलग करके जांच करें। मंकीपॉक्स के लक्षणों वाले यात्रियों के सैंपल पुणे की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) में जांच के लिए भेजे जाएं।

रूसी टीवी चैनल बोला- 'विश्व युद्ध की सिर्फ 'रिहर्सल' है यूक्रेन जंग, अगला निशाना नाटो होगा

कीव (एजेंसी)

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के हमलों से पूरी तरह बर्बाद हो गया है। पुतिन की सेना ने यहां भीषण तबाही मचाई है। दुनिया ने एक ऐसा युद्ध देखा है जिसे कई पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। लेकिन रूस के एक विश्लेषक ने इसे एक बड़े विश्व युद्ध की सिर्फ 'रिहर्सल' करार दिया है। रूस के सरकारी टीवी चैनल पर इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी स्टडीज में रिसर्च फेलो प्रोफेसर एलेक्सी फेनेंको ने कहा कि अगला संघर्ष नाटो के खिलाफ हो सकता है। याद रहे कि यूक्रेन में अपनी बर्बर कार्रवाई को अभी तक क्रेमलिन ने 'युद्ध' करार नहीं दिया है बल्कि इसके लिए वह 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' शब्द का इस्तेमाल कर रहा है।

रूस में मीडिया पर सरकार का नियंत्रण है और अखबार व न्यूज चैनल वही कहते हैं जो क्रेमलिन चाहता है। एक खबर के अनुसार कुछ दिनों पहले एक चर्चा के दौरान फेनेंको ने 'युद्ध' शब्द का इस्तेमाल किया और संकेत दिया कि भविष्य में ऐसे और युद्ध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यूक्रेन का युद्ध सिर्फ एक रिहर्सल है, भविष्य में संभावित बड़े संघर्ष की रिहर्सल। हम नाटो हथियारों का परीक्षण और अपने हथियारों से उनकी तुलना करेंगे और युद्ध के मैदान में पता चलेगा कि हमारे हथियार उनसे कितने ताकतवर हैं। फेनेंको ने कहा कि यह भविष्य के संघर्षों के लिए एक सीखने वाला अनुभव हो सकता है। अगर यह माना जाए कि फेनेंको की टिप्पणियों को 'ऊपर' से मंजूरी मिली है तो यह क्रेमलिन के दृष्टिकोण में एक अहम बदलाव को दिखाता है। रिटायर्ड अमेरिकी जनरल बैरी आर मैककैफरी ने फेनेंको के बयान को 'हैरान करने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि नाटो/यूरोपीय संघ की आर्थिक और सैन्य ताकत रूस से कई गुना ज्यादा है। उन्होंने कहा कि अन्य नाटो देशों के खिलाफ रूसी आक्रमकता को बढ़ाना पूरी तरह अतार्किक होगा। फेनेंको का बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब स्वीडन और फिनलैंड ने नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन कर दिया है। पुतिन ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि दूसरे देशों में नाटो का सैन्य विस्तार मॉस्को को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर सकता है। रूस ने दावा किया है कि मारियुपोल के अजोवस्टल स्टील प्लांट में मौजूद सभी यूक्रेनी सैनिकों ने सरेंडर कर दिया है।

आसमान छूती महंगाई और जनता परेशान पर सियासत के लिए सब 'ऑल इज वेल'

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

आसमान छूती महंगाई और जनता परेशान पर सियासत के लिए सब 'ऑल इज वेल' लग रहा है। पिछले दिनों जारी आंकड़ों में थोक महंगाई दर 15 प्रतिशत के पार चली गई। ऐसा 1998 के बाद पहली बार हुआ है। खुदरा महंगाई दर पहले से ही 8 साल के रेकॉर्ड स्तर पर है। महंगाई से जनता बेहाल है, ऐसा एक सर्वे में भी सामने आया। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में किए गए सर्वे में एक-तिहाई से ज्यादा लोगों ने बढ़ती कीमतों को प्रमुख मुद्दा बताया। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की बीजेपी कार्यकताओं को सलाह है कि वे बढ़ती महंगाई पर 'अपराधबोध न महसूस करें।' पुणे में बीजेपी कार्यकताओं से मुखातिब होकर सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते सप्लाई चैन ठप हो गई है। महंगाई कई देशों में बढ़ी है लेकिन हमें अपराधबोध महसूस नहीं करना चाहिए।

सिंह ने पुणे में कहा कि महंगाई से अमेरिका जैसे अमीर देश भी प्रभावित हैं। राजनाथ ने कहा, 'बढ़ती महंगाई के बारे में बहस जारी है...कोविड-19 महामारी के दौरान समूचा देश ठहर गया था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थव्यवस्था की हालत खराब नहीं होने दी और हमें इसकी सराहना करनी चाहिए। रूस-यूक्रेन संकट के चलते वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है और आयात-निर्यात प्रभावित हुआ है। इस स्थिति में, यह स्पष्ट है कि इसका किसी भी देश पर प्रभाव पड़ेगा। आप यह जानकर हैरान होंगे कि अमेरिका, जो सबसे धनी देश है, वहां मुद्रास्फीति पिछले 40 वर्षों में अपने चरम पर है। हमें अपराधबोध नहीं महसूस करना चाहिए।' भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति की दर अप्रैल में 7.79 प्रतिशत थी, जबकि मुद्रास्फीति की थोक दर 15.2 प्रतिशत थी।

पिछले एक साल में एलजीपी, पेट्रोल-डीजल, सीएनजी से लेकर कुकिंग ऑयल, खाद्य पदार्थों के दाम बढ़े हैं। सर्वे के अनुसार, कीमतों में इजाफा प्रमुख समस्या है, इसके बाद बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है। यह पूछे जाने पर कि आपके अनुसार सबसे महत्वपूर्ण समस्या क्या है, पुडुचेरी के 43 प्रतिशत लोगों ने मूल्य वृद्धि कहा, इसके बाद केरल (37 प्रतिशत), तमिलनाडु (35 प्रतिशत), असम (34 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (25 प्रतिशत) का स्थान है। सर्वेक्षण के अनुसार, पिछले एक साल से आय या तो कम हो गई है या स्थिर बनी हुई है, फिर भी भारतीय परिवार बढ़ते खर्च के चक्र में फंसते दिख रहे हैं।

सार समाचार

उत्तरकाशी में सड़क धंसने से यमुनोत्री हाईवे बाधित, 3000 तीर्थयात्री फंसे, दिल का दौरा पड़ने से 6 की मौत

देहरादून। उत्तरांचल के उत्तरकाशी जिले में स्यानाचट्टी और रानाचट्टी के बीच सड़क धंसने से यमुनोत्री हाईवे शुक्रवार शाम फिर से बड़े वाहनों के लिए बंद कर दिया गया। इससे यमुनोत्री क्षेत्र में तीन हजार यात्री फंस गए। डामटा से जानकीचट्टी के बीच में तमाम यात्री यमुनोत्री हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं। एनएच के अधिशासी अभियंता राजेश पंत ने बताया, मार्ग जल्द खोल दिया जाएगा। उधर, विभिन्न प्रांतों से चारधाम यात्रा पर आए छह श्रद्धालुओं की हार्टअटैक से मौत हो गई। रुद्रप्रयाग के सीएमओ डॉ. बीके शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार को प्रदीप कुलकर्णी (61) निवासी पुणे, महाराष्ट्र, और बंशीलाल (57) निवासी मंदसौर, मध्य प्रदेश की मृत्यु हो गई। बदरीनाथ में बीना बेन (55) निवासी गुजरात की भी हृदयगति रुकने से मृत्यु हो गई। उधर, ऋषिकेश में चारधाम की यात्रा करके लौटे अवधेश नारायण तिवारी (65) पुत्र शिव प्रसाद तिवारी निवासी साहो आमला गोरखपुर, यूपी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वहीं, हरिद्वार और ऋषिकेश के मंदिरों के दर्शन के लिए आई सौरम बाई (49) निवासी धार, मध्य प्रदेश और उमेश दास जोशी (58) निवासी मलाड, मुंबई की भी हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। चारधाम यात्रा पर जा रहे तीर्थ यात्रियों के लिए ऑफलाइन पंजीकरण रोक दिया गया है। रजिस्ट्रेशन के बिना ऋषिकेश से ऊपर तीथ यात्रियों को जाने नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में ऋषिकेश, हरिद्वार सहित आसपास में ही साढ़े नौ हजार तीर्थयात्री फंसे हुए हैं। सभी के होटल, धर्मशाला, लॉज में शरण ली हुई है, जिस कारण ऋषिकेश और हरिद्वार पूरी तरह पैक हैं। पर्यटन विभाग ने ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था को और सख्त बना दिया है। सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर ने कहा कि अब ऑफलाइन पंजीकरण सिर्फ एक सप्ताह के भीतर का ही होगा। एक सप्ताह से अधिक समय का पंजीकरण नहीं होने दिया जाएगा।

कोरोना पर रोकथाम के लिए हर घर दस्तक-2.0 कार्यक्रम जून से, 2 महीने तक लगेंगे टीके

नई दिल्ली। महामारी कोरोना की तीसरी लहर के बाद वायरस के संक्रमण के दुष्प्रभाव का भारत में गंभीर असर नहीं दिखा है। इसका श्रेय बड़े पैमाने पर कोरोना वैक्सीनेशन को दिया जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय से कोरोना के टीके लगाने की रफ्तार कम हुई है। इसे लेकर सरकार चिंतित है। इसी को देखते हुए अब सरकार ने 'हर घर दस्तक 2.0' कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है। ये कार्यक्रम जून से जुलाई तक दो महीने चलेगा। इस दौरान छूट गए लोगों में पहली, दूसरी और एहतियाती (प्रिकॉशन) डोज लगाने पर जोर रहेगा। बुजुर्गों में वैक्सीनेशन पर खास ध्यान दिया जाएगा। खबर के मुताबिक कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने शुक्रवार को राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसी में घर-घर जाकर कोरोना वैक्सीन लगाने के कार्यक्रम की जानकारी दी गई। ये कार्यक्रम जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर तक चलाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, स्वास्थ्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि सभी पात्र लाभार्थियों को पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाने के लिए मिशन मोड में जुट जाएं। वृद्धाश्रमों, स्कूलों, कॉलेजों, जेलों, ईंट भट्टों आदि के लिए खासतौर से अभियान चलाएं। 12-18 वर्ष की आयु के स्कूल से वंचित बच्चों की लिस्ट बनाकर टीकाकरण कराएं। सुनिश्चित किया जाए कि 60 साल और उससे ऊपर के ज्यादातर लोगों में बूस्टर डोज लगे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कोरोना वैक्सीन को अनमोल राष्ट्रीय संसाधन बताते हुए इसकी बर्बादी से बचने की जरूरत पर भी जोर दिया। कहा गया कि किसी भी कीमत पर कोविड-19 टीकों की बर्बादी न हो। जिन वैक्सीन की एक्सपायरी डेट नजदीक हो, उन्हें पहले लगाया जाए। विदेश यात्रा से पहले बूस्टर डोज लगवाने के इच्छुक लोगों से यात्रा दस्तावेज न मांगे जाएं। केंद्र सरकार का ये निर्देश ऐसे समय आया है जब देश में 11.84 करोड़ सीनियर सिटीजंस में कोरोना का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। इनमें से 4.14 करोड़ में बूस्टर डोज लगनी बाकी है। महज 1.69 करोड़ बुजुर्गों ने ही प्रिकॉशन डोज लगवाई है।

पंजाब में भी लोगों को मिलेगा मुफ्त इलाज, पहले चरण में 15 अगस्त को खोले जाएंगे 75 मोहल्ला क्लिनिक

चंडीगढ़। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार राज्य में दिल्ली की तर्ज पर मोहल्ला क्लिनिक खोलने जा रही है। सीएम भगवंत मान ने ऐलान किया है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आम जनता को 75 हमोहल्ला क्लीनिक्स समर्पित किए जाएंगे। ये मोहल्ला क्लिनिक शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में खुलेंगे। इन मोहल्ला क्लीनिकों में सभी तरह का इलाज, टेस्ट और दवाएं फ्री मिलेंगी। अभी पहले चरण में 75 मोहल्ला क्लिनिक खुलने हैं। उसके बाद और भी इस तरह के क्लिनिक खोले जाएंगे। पंजाब के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के मकसद से मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव भी मौजूद थे। इस दौरान मुख्यमंत्री को बताया गया कि ग्रामीण इलाकों में पहले से ही 3000 स्वास्थ्य सेवा केंद्रों का नेटवर्क मौजूद है। जिन्हें कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों के नेतृत्व में प्रशिक्षण प्राप्त पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा चलाया जा रहा है। इसके बाद सीएम ने इन सब-सेंटरों को भी मोहल्ला क्लीनिकों में तब्दील करने का निर्देश दिया। भगवंत मान ने अधिकारियों से कहा कि हर पांच से छह नजदीकी गांवों का एक कलस्टर बनाया जाए और उसके बीच में एक मोहल्ला क्लीनिक स्थापित किया जाए। इससे आसपास के गांवों के लोगों की मोहल्ला क्लीनिकों तक आसान पहुंच हो सकेगी और बड़ी संख्या में लोगों को फायदा होगा। सीएम ने स्वास्थ्य सचिव को अनुबंध के आधार पर उन डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की सेवाएं लेने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने के लिए कहा है, जो मोहल्ला क्लीनिकों में अपनी सेवाएं देने के इच्छुक हैं। मोहल्ला क्लीनिकों में क्लिनिकल टेस्ट कराने के लिए एजेंसी नियुक्त करने की कार्य योजना बनाने के भी भगवंत मान ने स्वास्थ्य सचिव को निर्देश दिए। सीएम भगवंत मान ने कहा पहले से मौजूद सेवा केन्द्रों का रंग रूप बदलकर आवश्यक सुविधाएं जुटाई जाएं। इनमें डॉक्टर का कमरा, रिसेप्शन-कम-वेटिंग एरिया, फार्मेसी के लिए जगह बनाई जाए। स्टाफ और आने वाले मरीजों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा दी जाए। सीएम ने लोक निर्माण विभाग के सचिव को सेवा केन्द्रों को अंदर से बढ़िया रूप देने के लिए रूपरेखा बनाने का आदेश दिया ताकि इन्हें आसानी से मोहल्ला क्लीनिकों में तब्दील किया जा सके।

असम में विकराल हो रही बाढ़ की स्थिति, दो और लोगों की मौत

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति लगातार खराब हो रही है। भीषण बाढ़ में चार और लोगों की मौत हो गई। कछार जिले में जहां दो लोगों की मौत हुई, वहीं लखीमपुर और नगांव में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। असम में मौजूदा प्री-मानसून बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, जिससे राज्य के 34 में से 29 जिलों में करीब 7.12 लाख लोग प्रभावित हैं। वहीं, 29 प्रभावित जिलों के 2,251 गांवों में कुल 80036.90 हेक्टेयर फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ है। 74,705 से अधिक लोगों ने 234 राहत शिविरों में शरण ली है।

चीन की नापाक साजिश के बीच अरुणाचल में अमित शाह, कहा- जो रास्ता भटक गए...

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अरुणाचल प्रदेश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के तिरप ज़िले के नरोत्तम नगर में रामकृष्ण मिशन आश्रम का दौरा किया और स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत में गुरू दक्षिणा की परंपरा बहुत पुरानी है पर किसी भी शिष्य ने अपने गुरू को इतनी बड़ी गुरू दक्षिणा नहीं दी होगी जो स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना करके परमहंस रामकृष्ण को दी। बोडोलैंड की समस्या का समाधान हो गया। अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच सीमा संबंधी 60% मुद्दों को भी सुलझा लिया गया है।

अमित शाह ने कहा कि बोडोलैंड की समस्या को इतने सालों के बाद सरलता से सुलझाने का काम देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। त्रिपुरा के हथियारी ग्रुपों को हथियार डलवाने का काम नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने किया है। ब्रू शरणार्थियों की समस्या को स्थायी समाधान देने का काम मोदी सरकार ने किया है। एक दृष्टि से देखें तो अरुणाचल प्रदेश एक प्रकार से नॉर्थ ईस्ट है। नॉर्थ ईस्ट में कई सालों तक समस्याओं को हमने झेला है। अब धीरे-धीरे समस्याओं का निराकरण और निवारण हो रहा है।

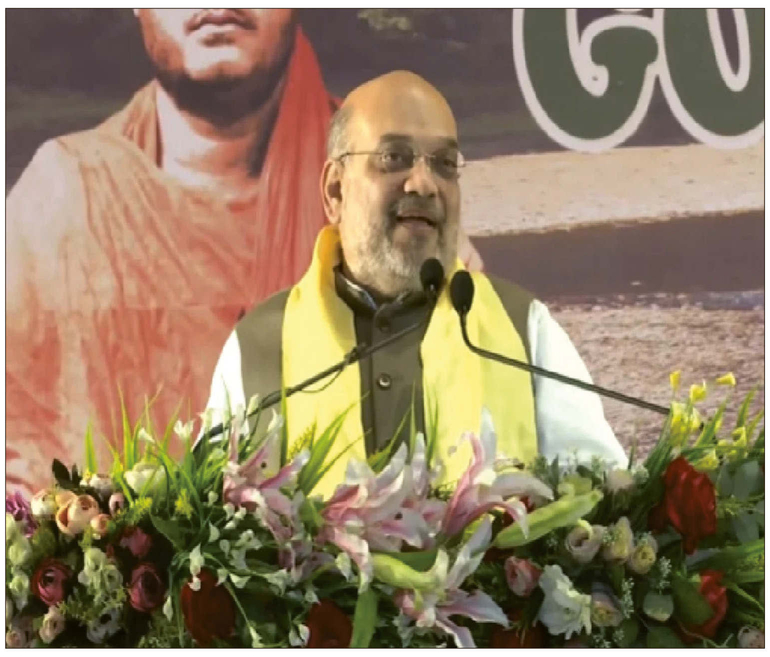

अमित शाह ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट में जो युवा रास्ता भटक गए थे, हाथ में हथियार लेकर अपने ही देश के सामने खड़े हो गए थे वो मोदी सरकार के 8 साल में हथियार डालकर मुख्य धारा में सम्मलित होकर, भारत के विकास के लिए काम कर रहे हैं। मोदी जी ने 2014 से हमारे उत्तर पूर्व की अनेक समस्याओं से ग्रस्त नॉर्थ ईस्ट को बदलने की शुरूआत की। पूरा देश अपने नॉर्थ ईस्ट को अपने राज्य जितना ही प्यार करता है और नॉर्थ ईस्ट भी गौरव के साथ आज कह रहा है कि हां हम महान भारत का हिस्सा हैं, हम भारत हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर से कन्याकुमारी तक 6 महीने में 3500 किलोमीटर की पदयात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस पार्टी 3500 किलोमीटर की लंबी 'भारत जोड़ो यात्रा' की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस यात्रा को पांच-छह महीने में पूरा करने की योजना है। कांग्रेस ने उदयपुर में हाल ही में हुए शिविर में इस यात्रा की घोषणा की थी। कांग्रेस की यह 'भारत जोड़ो यात्रा' आजादी के बाद से पार्टी की पहली अखिल भारतीय मार्च है जिसके लिए कई मसलों पर विस्तार से बातचीत की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 अक्टूबर से इस यात्रा की शुरूआत की जा सकती है। कांग्रेस नेताओं के हवाले से बताया है कि एक महासचिव का प्रस्ताव हर दिन 10 किलोमीटर पैदल तय करने का था। सीनियर नेताओं में से एक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि राहुल गांधी ने महसूस किया कि एक दिन के हिसाब से यह बहुत कम दूरी है और उन्होंने हर दिन 35 किलोमीटर दूरी तय करने की बात कही है। योजना में शामिल एक सीनियर नेता ने बताया कि राहुल गांधी बहुत फिट हैं और वह हर दिन 35 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा प्लान हर दिन कम से कम 10-20 किलोमीटर की दूरी तय करने की है। प्रस्तावित यात्रा मार्ग तैयार किया जा रहा है लेकिन कांग्रेस की योजना अधिक से अधिक राज्यों को कवर करने की है। मार्च कन्याकुमारी से शुरू होने की बहुत संभावना है और योजना के मुताबिक हर दिन गाड़ियों से और पैदल यात्रा करते हुए कई छोटे पड़ावों को पार करना है। एक नेता ने जानकारी दी है कि मार्च कश्मीर घाटी तक पहुंचेगा लेकिन सुरक्षा कारणों से हम श्रीनगर नहीं जा सकते हैं। इस मार्च पूरी से सावर्जनिक बातचीत पर आधारित हैं और ऐसे में मौजूदा सुरक्षा हालात में यह मुश्किल होगा। उदयपुर चिंतन शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा था कि हम सभी इसमें भाग लेंगे औए यह यात्रा सामाजिक समरसता के बंधनों को मजबूत करने के लिए है। उन्होंने कहा था कि यह यात्रा हमारे संविधान के मूलभूत मूल्यों को संरक्षित करने के लिए है जिनपर हमला हो रहा है।

रूस जल्द करेगा भारत को केए-31 हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)

रूसी हथियार निर्यातक रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के सीईओ अलेक्जेंडर मिखेयेव ने 20 मई को को हेलीरूस-2022 हेलीकॉप्टर शो में बताया है कि रूस कामोव केए-31 डेक-आधारित रडार पिकेट हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी पर भारत के साथ काम करना जारी रखा हुआ है। रूसी सरकारी कामोव केए-31 को लेकर भारत के साथ काम जारी है। केए-31 का कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है और यह दुनिया का एकमात्र डेक-आधारित रडार निगरानी हेलीकॉप्टर है। यह हवा और समुद्र की स्थिति को नियंत्रित करने और आर्थिक क्षेत्रों और जल क्षेत्रों की निगरानी के कार्यों का पूरी तरह से मुकाबला करता है। इससे पहले 17 मई को एक रक्षा मैगजीन ने भारतीय रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया था कि भारत ने 10 केए-31 हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी पर रूस के साथ बातचीत स्थगित कर दी है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि यूक्रेन युद्ध और डिलीवरी पर अनिश्चितता के कारण भी यह फैसला लिया गया था। बता दें कि भारत और रूस ने मई 2019 में केए-31 हेलीकॉप्टर को लेकर एक समझौता किया था। इसके तहत भारत रूस से 10 केए-31 हेलीकॉप्टर खरीदने वाला था। टास की रिपोर्ट बताती है कि कोरोनो वायरस महामारी के कारण बातचीत बाधित हुई थी जो कि फरवरी 2022 में फिर से शुरू हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक हेलीकॉप्टरों के एक बैच की कीमत 520 मिलियन डॉलर होगी। बता दें कि भारतीय नौसेना मौजूदा वक्त में 2003-2015 में रूस से खरीदे गए 14 केए-31 हेलीकॉप्टरों का संचालन करती है।

दाऊद से संबंधित मंत्री के साथ काम करना चाहते हैं उद्धव, फडणवीस ने मलिक के बहाने महाराष्ट्र सरकार पर साधा निशाना

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कद्दावर नेता नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की गैंग के साथ संबंध थे। इस बात को कोर्ट ने स्वीकार किया है। इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ऐसे मंत्री के साथ काम करना चाहते हैं जो दाऊद से संबंधित है।

फडणवीस का मलिक का बनाने उद्धव पर हमला

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 'डी' गैंग के साथ नवाब मलिक के सभी संबंध इस आरोपपत्र में उजागर हो रहे हैं बावजूद इसके सरकार उनको बचाना चाहती है। अभी भी वो मंत्रिमंडल में बने हुए हैं तो कहीं ना कहीं मुख्यमंत्री ऐसे मंत्री के साथ काम करना चाहते हैं जो मंत्री दाऊद से संबंधित है।

आपको बता दें कि कुछ वक्त पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवाब मलिक के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि नवाब मलिक के सरदार शाह वली खान और हसीना पार्कर से संबंध थे। उन्होंने गोवा कंपाउंड हासिल करने के लिए साजिश रची थी। इसके लिए उन्होंने हसीना पार्कर के साथ कई बार बैठक की और मनी लॉन्ड्रिंग भी की थी। नवाब मलिक पर आरोप है कि उन्होंने दाऊद गैंग के साथ संबंध रखकर गोवा कंपाउंड की जमीन हासिल की थी। गौरतलब है कि नवाब मलिक मनी लॉन्ड्रिंग समेत कई मामलों में ईडी की कार्रवाई का सामना कर रहे हैं और उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। उन्होंने अंतरिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपील की थी लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। इतना ही नहीं कुछ वक्त पहले मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने भी जमानत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि कोर्ट ने कहा था कि वह एक निजी अस्पताल में अपना इलाज करा सकते हैं।

विदेश से लौटे मंकीपॉक्स पीड़ित संदिग्ध यात्रियों को तुरंत आइसोलेट करें, नमूने एनआईवी पुणे भेजें : मांडविया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को दुनिया में मंकीपॉक्स के मरीज सामने आने के बाद स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में हवाई अड्डों और बंदरगाहों के स्वास्थ्य अधिकारियों को भी सतर्क रहने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हवाई अड्डों को निर्देशित किया है कि मंकीपॉक्स प्रभावित देशों की यात्रा कर लौटे किसी भी बीमार यात्री को तुरंत आइसोलेट कर, नमूने जांच के लिए पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की बीएसएल-4 सुविधा वाली प्रयोगशाला को भेजे जाएं।

ब्रिटेन, अमेरिका, पुर्तगाल, स्पेन, बेल्जियम, फ्रांस, इटली और ऑस्ट्रेलिया में अनेक लोग मंकीपॉक्स से संक्रमित पाए गए हैं। मंकीपॉक्स एक वायरल इन्फेक्शन है, जो पहली बार 1958 में बंदर में पाया गया था और 1970 में पहली बार इंसान में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई थी। मंकीपॉक्स संक्रमण के मामले ज्यादातर मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों में मिलते हैं।

सन 2017 में नाइजीरिया में मंकीपॉक्स का सबसे बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसके 75 फीसदी मरीज पुरुष थे। अब तक यह बीमारी कुल 11 देशों में फैल चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीम भी एक्शन में आ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स एक दुर्लभ बीमारी बताया है, जिसका संक्रमण कुछ मामलों में गंभीर हो सकता है। मंकीपॉक्स संक्रमण के लिए जिम्मेदार वायरस के 2 स्ट्रेन हैं, पहला कांगो स्ट्रेन और दूसरा वेस्ट अफ्रिकन स्ट्रेन। ये दोनों ही स्ट्रेन 5 साल से कम उम्र के बच्चों को अपने संक्रमणका शिकार बनाते हैं। कांगो स्ट्रेन से संक्रमित मामलों में मृत्यु दर 10 फीसदी और वेस्ट अफ्रिकन स्ट्रेन से संक्रमित मामलों में मृत्यु दर 1 फीसदी है। ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के जो मामले मिले हैं, उनमें वेस्ट अफ्रिकन स्ट्रेन की पुष्टि हुई है।

मंकीपॉक्स एक संक्रामक जनित बीमारी ?है। इससे संक्रमित मरीज के घाव से वायरस निकलकर आंख, नाक और मुंह के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। इसके अलावा बंदर, चूहे, गिलहरी जैसे जानवरों के काटने से या उनके खून और बॉडी फ्लुइड्स को छूने से भी मंकीपॉक्स फैल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार ठीक से मांस पका कर नहीं खाने या संक्रमित जानवर का मांस खाने से भी लोग इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

इस वायरस से संक्रमित होने के 5वें दिन से 21वें दिन तक इसके लक्षण देखे जा सकते हैं। शुरूआती लक्षण फ्लू जैसे होते हैं, जिसमें बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, कमर दर्द, कंपकंपी आना, थकान और सूजी हुई लिम्फ नोड्स शामिल हैं। फिर चेहरे पर दाने उभरने लगते हैं, जो शरीर के दूसरे हिस्सों में फैल जाते हैं। संक्रमण के दौरान यह दाने कई बदलावों से गुजरते हैं और अंत में हैंचेचक की तरह ठीक हो जाते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि चेचक की वैक्सीन, मंकीपॉक्स में भी 85 फीसदी तक कारगर है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई